वर्ष : 33 ▸ अंक : 137 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शुक्रवार, 2 अगस्त 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

एससी रिजर्वेशन में कोटे में कोटा मंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने अपना 19 साल पुराना फैसला पलटा

नंबर गेम

- 07 न्यायधीशों की संविधान पीठ ने ऐतिहासिक फैसला दिया
- 01 जज ने उप-वर्गीकरण के फैसले को अनुचित ठहराया
- 2004 के पांच जजों के निर्णय को शीर्ष अदालत ने रद्द किया

अमित बृज । मुंबई/नई दिल्ली

राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति, यानी SC के रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (1 अगस्त) को इस बारे में बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने 20 साल पुराना अपना ही फैसला पलटा है। तब कोर्ट ने कहा था कि अनुसूचित जातियां खुद में एक समूह हैं, इसमें शामिल जातियों के आधार पर और बंटवारा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने अपने नए फैसले में राज्यों के लिए जरूरी हिदायत भी दी है। कहा है कि राज्य सरकारें मनमर्जी से फैसला नहीं कर सकतीं। फैसला सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संविधान पीठ का है। इसमें कहा गया कि अनुसूचित जाति को उसमें शामिल जातियों के आधार पर बांटना संविधान के अनुच्छेद-341 के खिलाफ नहीं है।

दो शर्तें

पहली : अनुसूचित जाति के भीतर किसी एक जाति को 100% कोटा नहीं दे सकतीं।

दूसरी : अनुसूचित जाति में शामिल किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिए।

फैसले का आधार

अदालत ने फैसला उन याचिकाओं पर सुनाया है, जिनमें कहा गया था कि अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण का फायदा उनमें शामिल कुछ ही जातियों को मिला है। इससे कई जातियां पीछे रह गई हैं। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कोटे में कोटा होना चाहिए। इस दलील के आड़े 2004 का फैसला आ रहा था, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों को सब-कैटेगरी में नहीं बांट सकते।

फैसले के मायने

राज्य सरकारें अब राज्यों में अनुसूचित जातियों में शामिल अन्य जातियों को भी कोटे में कोटा दे सकेंगी। यानी अनुसूचित जातियों की जो जातियां वंचित रह गई हैं, उनके लिए कोटा बनाकर उन्हें आरक्षण दिया जा सकेगा।

दोपहर इन्फो

क्या है आरक्षण में आरक्षण

आरक्षण में आरक्षण से आशय पहले से आवंटित कोटे के भीतर एक अलग आरक्षण व्यवस्था लागू करना है। इसके जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि आरक्षण का लाभ समाज के सबसे पिछड़े और जरूरतमंद समूहों तक पहुंचे, जो आरक्षण प्रणाली के बावजूद उपेक्षित रह जाते हैं। इसका उद्देश्य आरक्षण के बड़े समूहों के भीतर छोटे, कमजोर वर्गों का अधिकार सुनिश्चित करना है ताकि वे भी आरक्षण का लाभ उठा सकें।

संविधान में यह प्रावधान

संविधान ने एससी-एसटी को विशेष दर्जा देते समय यह नहीं कहा कि इसमें कौन-कौन सी जातियां शामिल होंगी। ये अधिकार अभी केंद्र के पास है। अनुच्छेद 341 के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित जातियों को एससी और एसटी कहा जाता है। एक राज्य में अनुसूचित जाति के रूप में अधिसूचित जाति दूसरे राज्य में नहीं भी हो सकती है।

पिछले सुनवाइयों में क्या-क्या हुआ...

6 फरवरी, 2024

सुनवाई के पहले दिन पंजाब सरकार ने दलील दी कि पिछड़े वर्गों में सबसे पिछड़े समुदायों की पहचान की जानी चाहिए। उन्हें रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए साधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इस पर बेंच ने पूछा कि पिछड़ी जातियों में मौजूद संपन्न उपजातियों को आरक्षण की सूची से क्यों नहीं हटाया जाना चाहिए। साथ ही पूछा कि आईएएस-आईपीएस अफसरों के बच्चों को कोटा क्या मिलना चाहिए? इन्हें आरक्षण सूची से क्यों न निकाला जाए।

7 फरवरी 2024

अदालत ने कहा कि एससी और एसटी अपनी आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक स्थिति के मामले में एक समान नहीं हो सकते हैं। ये एक निश्चित उद्देश्य के लिए एक वर्ग हो सकते हैं, लेकिन वे सभी उद्देश्यों के लिए एक श्रेणी नहीं बन सकते।

8 फरवरी 2024

कोर्ट ने कहा- सबसे पिछड़ों को फायदा पहुंचाने के लिए दूसरों को बाहर नहीं किया जा सकता। मान लें कि कई सारे पिछड़ा वर्ग हैं और कोई राज्य केवल दो को चुनता है। ऐसे में जिन्हें बाहर रखा गया वे इसे चुनौती दे सकते हैं। हमें इसका एक पैमाना बनाना होगा।

राज्य क्या करेंगे?

उच्चतम न्यायायल के फैसले के बाद राज्य सरकारें उप श्रेणी आरक्षण दे सकेंगी। राज्य सरकारें सामाजिक और आर्थिक आंकड़े एकत्रित कर विभिन्न उप श्रेणी का आकलन कर सकती हैं। इसके लिए सर्वे, जनगणना और शोध का सहारा लिया जा सकता है। इसके अलावा, विशेषज्ञों की समिति भी बनाई जा सकती है। ये समितियां विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अपने सुझाव देंगी। लाभार्थियों की पहचान हो जाने के बाद उप श्रेणी का आरक्षण दिया जा सकेगा।

4 कदम जो राज्यों को उठाने होंगे

1. राज्य सरकार को उप श्रेणी आरक्षण को कानूनी मान्यता देने के लिए विधानमंडल में विधेयक पेश करना होगा।
2. यदि कोई कानूनी अड़चन आती है तो सरकार इस पर न्यायिक समीक्षा के जरिए कोर्ट में स्थिति स्पष्ट कर सकती है।
3. पहले से मौजूद आरक्षण श्रेणियों का पुन: मूल्यांकन किया जा सकता है और उसमें बदलाव किया जा सकता है।
4. निगरानी और समीक्षा के लिए स्वतंत्र संस्था गठित करनी होगी जिससे सुनिश्चित होगा कि आरक्षण का लाभ सही लोगों तक पहुंच रहा है।

देश में कितनी अनुसूचित जाति?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2018-19 में देश में 1,263 अनुसूचित जातियां थीं। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, अंडमान और निकोबार एवं लक्षद्वीप में कोई समुदाय अनुसूचित जाति के रूप में चिह्नित नहीं है।

वर्तमान में किसे कितना आरक्षण?

अनुसूचित जाति	: 15 फीसदी
अनुसूचित जनजाति	: 7 .5 प्रतिशत
अन्य पिछड़ा वर्ग	: 27 फीसदी
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	: 10 प्रतिशत

अभी दो राज्यों में व्यवस्था : अभी केवल तमिलनाडु और कर्नाटक ने एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणियों के भीतर विभिन्न उप-श्रेणियों को आरक्षण देने की व्यवस्था की है। तमिलनाडु में पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, और अति पिछड़ा वर्ग जैसी उप-श्रेणियों में ओबीसी आरक्षण लागू किया गया है। इसी तरह कर्नाटक में अनुसूचित जाति के भीतर दो उप-श्रेणियों कोडवा और माडिगा को अलग-अलग आरक्षण दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, सिर्फ राष्ट्रपति को अधिकार

वर्ष 2004 में ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुसूचित जाति की सूची में जातियों को हटाने या जोड़ने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति के पास है। संविधान सभी अनुसूचित जातियों को एकल सजातीय समूह मानता है। लेकिन छुआछूत जैसी सामाजिक असमानता को देखते हुए अनुसूचित जातियों को विशेष सुरक्षा प्रदान की गई। आरक्षण का लाभ आरक्षित जातियों के जरूरतमंदों तक पहुंचे, इसके लिए 2018 में क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू की गई। यह नियम अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में लागू होता है जबकि अनुसूचित जाति पर यह 2018 में प्रमोशन के मामले में लागू किया गया।

पंजाब सरकार ने बनाया था कानून : 1975 में पंजाब सरकार ने आरक्षित सीटों को दो श्रेणियों में विभाजित कर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण नीति पेश की। एक वाल्मीकि और मजहबी सिखों के लिए और दूसरी बाकी अनुसूचित जाति वर्ग के लिए। वर्ष 2006 में मामला पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचा और ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2004 के फैसले का हवाला दिया गया। इसके बाद इस नीति को रद्द कर दिया गया। चिन्नैया फैसले में कहा गया था कि एससी श्रेणी के भीतर सब कैटेगरी की अनुमति नहीं है क्योंकि यह समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

न्यूज़ ब्रीफ

पांच साल में 1,997 उड़ानें रद्द हुईं

नई दिल्ली। भारत में बीते पांच वर्षों के दौरान 1,997 उड़ाने रद्द हुई हैं, जबकि 2,993 बार विमानों में तकनीकी खराबी आई है। आप सांसद संजय सिंह द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने यह जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि वर्ष 2024 में अभी तक विमानों में तकनीकी खराबी की 425 घटनाएं हुई हैं और 269 उड़ानें रद्द की गई हैं। जानकारी के अनुसार विमानों में आने वाली तकनीकी खराबी एवं विमान यात्रा रद्द करने को लेकर सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री से कई सवाल पूछे थे। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में देश के विमानों में तकनीकी खराबी और उसके चलते उड़ाने रद्द होने की घटनाएं काफी बढ़ी हैं। उन्होंने इसके लिए 2019 से 2024 तक के आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की थी।

सीट बंटवारे व अन्य मुद्दों को लेकर एमवीए की 7 अगस्त को बैठक

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे व अन्य मुद्दों पर चर्चा को लेकर विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) की सात अगस्त को एक बैठक होगी। एमवीए के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता बालासाहेब थोराट ने बुधवार शाम को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि बैठक में सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर मानदंडों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने एक बयान मे कहा कि सीटों की अदला-बदली भी संभव है क्योंकि जीतने वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जाएगा। थोराट ने यह भी बताया कि उन्होंने ठाकरे के साथ चुनावी रैलियों की योजना पर चर्चा की है। एमवीए में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) शामिल हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर में होने की संभावना है। कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला मुंबई का दो दिवसीय दौरा करेंगे।

पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत खारिज

UPSC ने धोखाधड़ी-जालसाजी की FIR दर्ज कराई थी

एजेंसी । नई दिल्ली

ट्रेनी IAS अफसर रही पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका दिल्ली कोर्ट ने खारिज कर दी है। पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार 1 अगस्त को दिल्ली पुलिस को आदेश दिया कि UPSC परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले बाकी कैंडिडेट्स की भी जांच की जाए। साथ ही अगर UPSC के किसी कर्मचारी ने पूजा की मदद की हो, तो उसकी भी जांच हो।

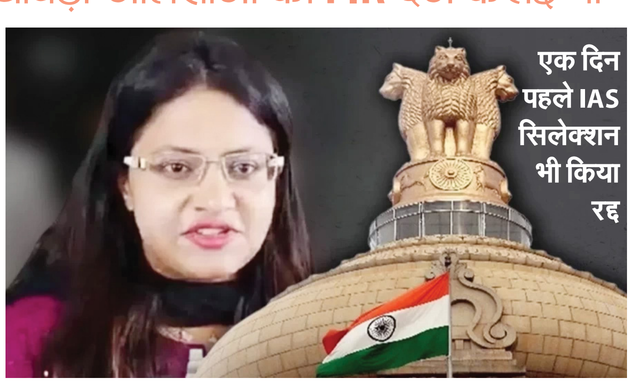

पूजा खेडकर पर कई आरोप

पूजा खेडकर पर उम्र, माता-पिता की गलत जानकारी, पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम देने का आरोप था। UPSC ने दस्तावेजों की जांच के बाद पूजा को सीएसई-2022 नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था। इसके बाद UPSC ने उनके खिलाफ एफआईआर कराई थी।

गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका

धोखाधड़ी और जालसाजी के इस केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए पूजा ने अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। कोर्ट में UPSC के वकील ने कहा था कि उन्होंने सिस्टम को धोखा दिया है। वह एक साधन संपन्न व्यक्ति हैं और उनके द्वारा कानून का दुरुपयोग करने की संभावना बनी हुई है। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। UPSC ने बुधवार 31 जुलाई को पूजा का सिलेक्शन रद्द कर दिया था। साथ ही भविष्य में UPSC का कोई एग्जाम देने पर भी रोक लगा दी थी। पूजा को एग्जाम में 2022 में 841वीं रैंक मिली थी। वे 2023 बैच की ट्रेनी IAS थीं और जून 2024 से ट्रेनिंग पर थीं।

अवैध फेरीवालों खिलाफ कार्रवाई न करने पर हाईकोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को फटकार

धीरज सिंह । मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अनाधिकृत फेरीवालों के खिलाफ कानून के प्रावधानों को पूरी तरह लागू करने में विफल रहने के लिए महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि सरकार बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के साथ आरोप-प्रत्यारोप में लगी हुई है, जबकि लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उच्च न्यायालय ने समय-समय पर पारित उसके आदेशों का पालन न करने पर निराशा जताई। न्यायालय ने कहा कि अगर उसे मजबूर किया जाता तो वह अपने अवमानना के क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल करने से नहीं हिचकिचाएगा। न्यायमूर्ति एम. एस. सोनक और न्यायमूर्ति कमल खाटा की पीठ ने कहा कि राज्य के अधिकारी रेहड़ी पटरी दुकानदार (आजीविका संरक्षण एवं रेहड़ी-पटरी विक्रेता गतिविधि विनियमन) अधिनियम, 2014 के प्रावधानों को लागू करने में विफल रहे हैं। जबकि लोग महानगर में सार्वजनिक सड़कों पर अनाधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं के खतरों को झेल रहे हैं।

'हमारे आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा'

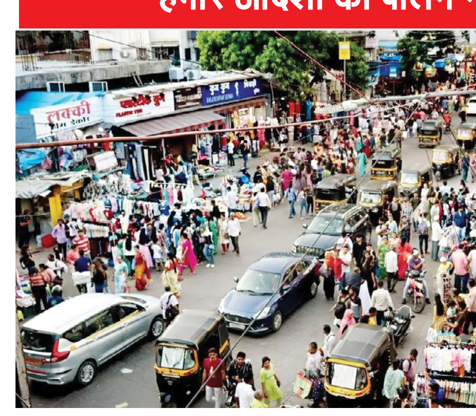

पीठ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है कि सरकार ने 2014 से संसदीय कानून लागू नहीं किया है। इसके बजाय सहयोग न करने को लेकर बीएमसी के साथ आरोप-प्रत्यारोप का खेल चल रहा है। अदालत ने कहा, 'यह बहुद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है कि न केवल कानून को लागू नहीं किया जा रहा है, बल्कि समय-समय पर पारित हमारे आदेशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है।'

'यह बेबसी क्यों है?'

अदालत ने कहा, 'यह बेबसी क्यों है? राज्य सरकार का कहना है कि बीएमसी मदद नहीं कर रहा है। बीएमसी किसी और को दोषी ठहराएगी। हर कोई परेशान है। हमें जवाब दीजिए कि जब तक आपकी योजना लागू नहीं होती तब तक आप आम आदमी की समस्या को कैसे कम करेंगे।'

'हम घोड़े को जलधारा के पास ले जा सकते हैं लेकिन...'

पीठ ने राज्य सरकार से 30 सितंबर से पहले ऐसी योजना तैयार करने को कहा। उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर मजबूर किया जाता है तो वह अपने अवमानना के क्षेत्राधिकार का उपयोग करने से पीछे नहीं हटेगा।अदालत ने कहा, 'हम घोड़े को जलधारा के पास तो ले जा सकते हैं, लेकिन हम उसे पानी नहीं पिला सकते। हम कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। लेकिन पहले हमें कुछ व्यावहारिक समाधान के साथ आने की जरूरत है।'

शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर हमला

मुनीब चौरसिया । मुंबई

एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर स्वराज संगठन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को हमला कर दिया। जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर हमले का वीडियो सामने आया है। जिसमें तीन कार्यकर्ता 'छत्रपति शिवाजी महाराज की जय' और 'छत्रपति संभाजी महाराज की जय' के नारे लगाते, पथराव करते और एसयूवी के शीशे पर लाठियां बरसाते नजर आ रहे हैं।

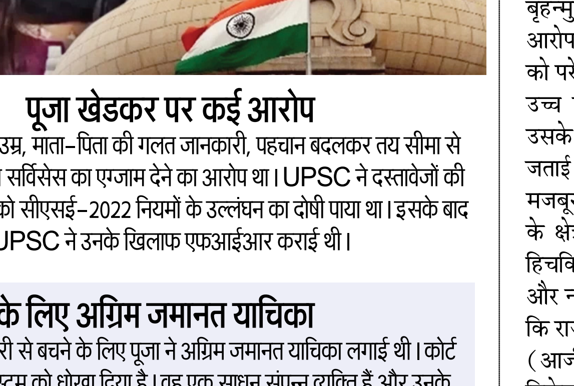

धनंजय जाधव ने माफी की मांग की

यह सब ईस्टर्न फ्रीवे के पास उस समय हुआ जब वह अपने गृहनगर ठाणे जा रहे थे। बाद में, स्वराज्य संगठन के महासचिव धनंजय जाधव ने हमले की जिम्मेदारी ली और मांग की कि आव्हाड को युवराज संभाजीराजे छत्रपति - छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वें प्रत्यक्ष वंशज - के लिए अपने हालिया बयानों के लिए माफी मांगनी चाहिए। वीडियो में दिख रहा है कि तीन युवक जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर लाठी-डंडे से हमला कर रहे हैं। पीछे से पुलिस की गाड़ी भी लगी है। पुलिस की कार्रवाई से निडर ये तीनों लोग गाड़ी के शीशे पर डंडे से वार कर रहे हैं। इस पर ड्राइवर चालाकी दिखाते हुए गाड़ी की स्पीड बढ़ा देता है। जब गाड़ी की स्पीड तेज हो जाती है तो स्वराज संगठन के कार्यकर्ता वहां से भाग जाते हैं। हालांकि, वीडियो देखकर लग रहा है कि कार सवार एनसीपी नेता बाल-बाल बच गए। जितेंद्र आव्हाड को चोट लगी है या नहीं अभी तक इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी को भी कोई खास नुकसान नहीं हुआ है।

विपक्षी नेताओं ने हमले की निंदा की

वहीं, एनसीपी-एसपी नेता सुप्रिया सुले और अन्य विपक्षी महा विकास अघाड़ी नेताओं ने हमले की कड़ी निंदा की है, जबकि आव्हाड के समर्थकों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृहनगर ठाणे में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। 14 जुलाई को कोल्हापुर के विशालगढ़ किले में हुए सांप्रदायिक दंगे के बाद आव्हाड ने कथित तौर पर भीड़ को उकसाने के लिए स्वराज्य संगठन के संस्थापक युवराज की कड़ी आलोचना की थी।

आव्हाड ने क्या दिया था बयान?

उल्लेखनीय है कि अन्य बातों के अलावा आव्हाड ने कहा था कि युवराज के खून की जांच होनी चाहिए, क्योंकि उनके कथित बयानों से ऐसा नहीं हो सकता कि वे महान मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज (1630-1680) के वंशज हों और विशालगढ़ किले और गजपुर गांव आदि के आसपास रहने वाले समुदायों के बीच सांप्रदायिक कलह बो रहे हों। युवराज संभाजीराजे छत्रपति के समर्थक जिनके पिता कोल्हापुर के कांग्रेस सांसद छत्रपति श्रीमंत शाहू महाराज हैं - उन्होंने आव्हाड पर 'सिंहासन' का अपमान करने का आरोप लगाया और माफी मांगी। आव्हाड की आलोचना करते हुए जाधव ने पूछा 'आप इतने डर कर क्यों भाग गए; अगर आपमें हिम्मत है, तो टेलीविजन कैमरों के सामने अपनी छाती फुलाने के बजाय हमारे सामने आइए।'

'खत्म करने के लिए ताकत होनी चाहिए'

▸▸ सीएम शिंदे ने उद्धव ठाकरे को सिखाया राजनीति का पाठ?

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को चुनौती देने को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। सीएम शिंदे ने ठाकरे को लेकर कहा कि जो लोग दूसरों को चुनौती देने की बात कर रहे हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि क्या उनमें ऐसा करने की ताकत है। दरअसल, सीएम शिंदे का बयान पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की एक टिप्पणी के बाद आया है। ठाकरे ने बुधवार को फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा, या तो आप वहां होंगे, या मैं वहां रहूंगा।'

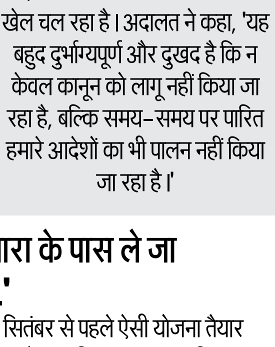

या तो आप जेल में होंगे, या मैं वहां रहूंगा : उद्धव

उन्होंने कहा, 'अनिल देशमुख ने हाल ही में बताया था कि कैसे फडणवीस ने मुझे और आदित्य ठाकरे को सलाखों के पीछे डालने की योजना बनाई थी। सब कुछ सहन करने के बाद, अब मैं दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा हूं। या तो आप वहां होंगे, या मैं वहां रहूंगा।' पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह दर्शाता है कि दो पुराने अच्छे दोस्तों के बीच संबंध कितने कटु हो गए हैं।

आगामी चुनाव के लिए ठाणे बीजेपी की शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक

दोपहर संवाददाता । ठाणे

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ठाणे शहर जिला विस्तारित कार्यकारिणी समिति 3 अगस्त को शाम 5 बजे ठाणे में एक महत्वपूर्ण बैठक कर रही है।इस बैठक में पालघर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद डॉ. हेमन्त सावरा मुख्य मार्गदर्शक होंगे। भाजपा के ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले ने यहां बताया कि इस बैठक में 1000 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

बैठक में ये रहे शामिल

बैठक में भाजपा प्रदेश महासचिव माधवी नाइक, भाजपा विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे, ठाणे लोकसभा प्रभारी जयप्रकाश ठाकुर भी शामिल होंगे। इस बैठक में पुणे में हुए क्षेत्रीय सम्मेलन के प्रस्तावों को मंजूरी दी जायेगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार को बधाई देने का संकल्प लिया जायेगा। इसके बाद आगामी विधानसभा चुनाव और नगर निगम चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा होगी। इस बैठक में नव मतदाता पंजीकरण अभियान और पार्टी के अन्य कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। ठाणे बीजेपी अध्यक्ष संजय वाघुले ने कहा कि इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा ठाणे शहर जिला पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के आयोजक और पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और कार्यकारी अधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के आयोजक, वार्ड अध्यक्ष, शक्तिकेंद्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष आदि शामिल होंगे। ठाणे शहर के पांच विधानसभा क्षेत्रों के बारे में चर्चा होने से पार्टी कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं। वहीं इस बैठक के बाद जिले के 12 मंडलों की विस्तारित कार्यकारिणी की भी बैठक होगी।

सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव मचाने के आरोप में 21 ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव मचाने के आरोप में पुलिस ने कुल 21 ट्रांसजेंडरों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी निरोधक प्रकोष्ठ ने यह कार्रवाई की।

पुलिस को स्थानीय निवासियों और अन्य लोगों से शिकायतें मिली थीं कि ट्रांसजेंडरों ने नवी मुंबई के विभिन्न इलाकों में राहगीरों को आपत्तिजनक इशारे किए और शांति भंग की। उन्होंने बताया कि इसके बाद एएचटीसी ने तीन टीमें बनाईं और 30 जुलाई को उरण फाटा, जुईनगर और एपीएमसी ट्रक टर्मिनल सहित विभिन्न स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की और ट्रांसजेंडरों को हिरासत में लिया।

उन्होंने बताया कि जुईनगर से 12, एपीएमसी ट्रक टर्मिनल से छह और उरण फाटा से तीन ट्रांसजेंडरों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ सीबीडी, नेरुल और एपीएमसी पुलिस थानों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 (अश्लील हरकतें या गाने) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मिटकरी की कार में तोड़-फोड़

एक दिन की पुलिस कस्टडी

दोपहर संवाददाता । आकोला

आकोला जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के विधायक अमोल मिटकरी की कार में तोड़-फोड़ मामले में गुरुवार को पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के पांच कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इन पांचों को कोर्ट ने एक दिन की पुलिस कस्टडी भेज दिया है। इस मामले में कल तीन मनसे कार्यकर्ताओं को जमानत मिल गई थी, जबकि अभी भी 5 मनसे कार्यकर्ता फरार हैं।

5 मनसे कार्यकर्ता गिरफ्तार

अन्य 5 मनसे कार्यकर्ताओं की गहन तलाश जारी

अमोल मिटकरी बुधवार को आकोला सर्किट हाउस में थे, उसी समय मनसे कार्यकर्ताओं ने उनके विरुद्ध जोरदार नारेबाजी की और उनकी गाड़ी में तोड़-फोड़ की। इसके बाद अमोल मिटकरी ने आकोला सिविल लाइन पुलिस स्टेशन में 13 मनसे कार्यकर्ताओं के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद पुलिस ने मनसे के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया लेकिन कोर्ट ने तीनों को जमानत दे दी थी। इसके बाद गुरुवार को अमोल मिटकरी आकोला जिला अधीक्षक के कार्यालय के सीढ़ियों पर बैठकर प्रदर्शन किया। इसके बाद मिटकरी पुलिस अधीक्षक से मिले। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और पांच मनसे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया। आज आकोला सेशन कोर्ट ने इन पांचों को एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। आकोला पुलिस अन्य 5 मनसे कार्यकर्ताओं की गहन तलाश कर रही है।

अतिक्रमण विरोधी विभाग की एक टीम पर हमला

दोपहर संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले के अंतर्गत आने वाले वसई-विरार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी विभाग की एक टीम पर लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नगर निकाय के प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वसई विरार नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व में टीम बुधवार को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने और अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त करने इलाके में गई थी।

घायल कर्मियों का प्राथमिक उपचार कराया गया

उन्होंने बताया कि निकाय के उप आयुक्त अजीत मुथे अपनी टीम के साथ बुधवार दोपहर वसई के कामन-कोमन इलाके के साष्टीकर पाड़ा में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने गए थे। अधिकारी ने बताया कि मौके पर नगर निकाय के अधिकारियों और वहां रहने वालों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद स्थानीय निवासियों ने कर्मचारियों की पिटाई कर दी। प्रवक्ता के मुताबिक टीम के सदस्यों ने नायगांव पुलिस थाने में घटना को लेकर शिकायत की जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि घायल कर्मियों का प्राथमिक उपचार कराया गया।

प्रशांत नगर के 350 घरों को राहत

भवन निर्माता को देना होगा 4 माह का किराया

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे में कुछ दिन पहले नौपाड़ा और पांचपाखड़ी में करीब दस सोसायटियों के पुनर्विकास प्रोजेक्ट का रास्ता साफ करने के बाद ठाणे के विधायक संजय केलकर ने प्रशांत नगर में पिछले 12 साल से रुके पड़े एसआरए प्रोजेक्ट के 350 परिवारों को राहत दी है। विधायक केलकर ने आज कहा कि कल हुई संयुक्त बैठक में संबंधित डेवलपर को 15 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया गया और निवासियों को चार महीने का किराया देने का आदेश दिया गया।

350 परिवार पिछले 10 से 12 वर्षों से आवास से वंचित

विधायक केलकर ने जारी बयान में बताया कि ठाणे में मलिन बस्ती पुनर्वास योजना के विकासकर्ता प्रशांत नगर स्थित श्री स्वामी समर्थ सहकारी गृह निर्माण संस्था के विकासकर्ता हरीश दौलतानी की देरी के कारण योजना के 350 परिवार पिछले 10 से 12 वर्षों से अपने वास्तविक आवास से वंचित हैं। साथ ही डेवलपर की ओर से उनके घर का किराया भी खत्म हो गया है। पिछले साल दिसंबर और इस साल मार्च में मकान देने पर सहमति बनी थी, लेकिन डेवलपर अब भी टाल-मटोल कर रहा है। इस संबंध में उन्हे पहले दो बार चेतावनी दी गई है।जबकि एसआरए अधिकारियों, डेवलपर्स और निवासियों की संयुक्त बैठक की थी, लेकिन जैसा कि उस समय स्वीकार किया गया था, डेवलपर्स निवासियों को घर उपलब्ध नहीं करा सके। अंततः कल मानपाड़ा स्थित एसआरए प्राधिकरण कार्यालय में विधायक संजय केलकर और प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग सोमन की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई.। इस अवसर पर डेवलपर हरेश दौलतानी, वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली आईआईएफएल कंपनी के आकाश तोमर, पूर्व नगरसेवक सूनेश जोशी, श्री स्वामी समर्थ सहकारी हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारी, प्राधिकरण के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।अब प्राधिकरण के सीईओ ने यह भी कहा कि यह बैठक अंतिम थी और निर्देश दिया कि डेवलपर 15 अगस्त तक निवासियों को चार महीने का किराया दे और भवन निर्माण का काम भी शुरू कर दे.।संपर्क करने पर विधायक संजय केलकर ने कहा कि उन्होंने डेवलपर को 15 अगस्त का अल्टीमेटम दिया है। केलकर का कहना है कि सीईओ ने निर्देश दिये हैं कि यदि इसके बाद भी डेवलपर आनाकानी करता रहा तो 16 अगस्त से डेवलपर के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर नये डेवलपर की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी।

मराठा समुदाय में बेतहाशा पिछड़ापन, मिलना चाहिए आरक्षण : आयोग

दोपहर संवाददाता । मुंबई

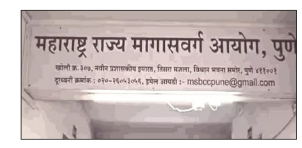

महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एमएससीबीसी) ने बंबई उच्च न्यायालय से कहा है कि मराठा समुदाय के लोगों में "असाधारण पिछड़ापन" है और पूरे समुदाय को नीची नजर से देखा जाता है, इसलिए वे शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के हकदार हैं। आयोग ने मराठा समुदाय के लोगों को दिए गए आरक्षण को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं के जवाब में उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार 26 जुलाई को एक हलफनामा दायर किया। इसमें यह भी कहा गया कि है सामान्य वर्ग के लोगों की आत्महत्याओं के 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, खुदकुशी करने वाले 94 प्रतिशत से अधिक लोग मराठा समुदाय के थे। महाराष्ट्र सरकार ने इस वर्ष फरवरी में सरकारी नौकरियों और शिक्षा में सामाजिक व शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था। याचिकाओं में आयोग की उन सिफारिशों को भी चुनौती दी गई है, जिनके आधार पर यह निर्णय लिया गया था। हलफनामे में आयोग ने कहा कि उसने परिणात्मक शोध अध्ययन किया तथा पिछली समितियों की रिपोर्टों और सिफारिशों का भी अध्ययन किया था।

हलफनामे में कहा गया है, "अध्ययन से पता चला है कि राज्य में मराठा समुदाय को नीची नजर से देखा जा रहा है। यह पाया गया कि मराठा समुदाय में असाधारण पिछड़ापन है।"

गैंगस्टर अबू सलेम को नासिक सेंट्रल जेल से दूसरी जगह किया गया शिफ्ट

दोपहर संवाददाता । नासिक

गैंगस्टर अबू सलेम को बीती रात नासिक सेंट्रल जेल से किसी अन्य शहर में शिफ्ट किया गया है। शिफ्टिंग के समय नासिक सेंट्रल जेल से नासिक रेलवे स्टेशन परिसर में भारी पुलिस बंदोबस्त रखा गया। अबू सलेम को इससे पहले नवी मुंबई के तलोजा जेल में रखा गया था। जिस सेल में अबू सलेम को रखा गया था, उसकी मरम्मत होनी थी, इसलिए जेल प्रशासन अबू सलेम को अन्य जेल में शिफ्ट करना चाहता था। अबू सलेम ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर शिफ्टिंग का विरोध किया था। हाई कोर्ट ने अबू सलेम की याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अबू सलेम को जेल प्रशासन ने एक माह पहले ही नासिक सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया था और उसे अंडा सेल में रखा गया था। यहां से गुरुवार को तड़के 2:30 बजे अबू सलेम को नासिक सेंट्रल जेल से निकालकर किसी अन्य शहर में शिफ्ट किया गया है। इस मामले में सुरक्षा कारणों से बेहद गोपनीयता बरती जा रही है। बताया जा रहा है कि आज उस शहर में अबू सलेम के विरुद्ध महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई होने वाली है।

कांग्रेस प्रमुख ने शहर के लिए विधानसभा चुनाव प्रभारियों को किया नियुक्त

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत कांग्रेस पार्टी की मुंबई इकाई की प्रमुख वर्षा गायकवाड़ ने शहर के सभी छह लोकसभा क्षेत्रों में विधानसभा चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति की है। गायकवाड़ ने कहा कि कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर प्रोत्साहन देने के लिए कुछ लोगों को बदला गया है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा प्रभारी ब्लॉक कमेटियों के गठन और पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का काम करेंगे। वे कार्यकर्ताओं और नेतृत्व के बीच समन्वय बनाए रखने के लिए भी काम करेंगे।

महाराष्ट्र में 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ चार सीटें जीतीं, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में गायकवाड़ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार को हराते हुए मुंबई उत्तर मध्य सीट से जीत हासिल की। महा विकास अघाडी (एमवीए) के घटक दलों बीच विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर सात अगस्त से बातचीत शुरू होगी।

महाराष्ट्र में फिर से लौटी आसमानी आफत

कई शहरों में चार दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में एक बार फिर से आसमानी आफत के बादल लौटकर आए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के कई शहरों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर और सातारा ऑरेंज अलर्ट और रेड अलर्ट जारी किया है। इन जगहों पर अगले चार दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

चार दिनों के लिए अलर्ट जारी

बता दें कि बीते दिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारी बारिश हुई थी, जिसके बाद कई जगहों पर जलजमाव हो गया। इसके अलावा जयपुर, गुरुग्राम, गाजियाबाद में भी भारी बारिश हुई थी। इसी बीच महाराष्ट्र के कई शहरों के लिए बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इधर, आईएमडी ने बताया कि भारत में अगस्त और सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

छत का प्लास्टर गिरने से दंपति घायल

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले में बृहस्पतिवार तड़के एक फ्लैट की छत का प्लास्टर गिरने से दंपति घायल हो गए। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दिवा के बेडेकर नगर इलाके में स्थित दो मंजिला इमारत के भूतल पर बने फ्लैट में सुबह करीब चार बजे हुआ। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि फ्लैट की छत का प्लास्टर उस समय दंपति पर गिरा जब वे सो रहे थे।

मां के शव के साथ बेटे ने गुजारे चार दिन

दरवाजा खुला तो राज से उठा पर्दा

दोपहर संवाददाता । कल्याण

महाराष्ट्र के ठाणे में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां 14 साल के एक किशोर ने अपनी मां को एक फ्लैट में ही चार दिनों तक बंद रखा। हालांकि, आसपास रहने वाले पड़ोसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। पड़ोसियों को इसकी जानकारी तब लगी, जब फ्लैट से बदबू आने के बाद उन्होंने इसकी शिकायत की।

पुलिस ने दर्ज की आकस्मिक मौत की रिपोर्ट

पुलिस ने बताया कि लड़के ने अपनी पहचान 14 साल के ऑल्विन डैनियल और 44 साल की अपनी मां सिल्विया डैनियल के रूप में की है। पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हालांकि, इसमें लड़के के पिता का कोई जिक्र नहीं है।

इस तरह चला घटना का पता

पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद चौकीदार और पड़ोसी बुधवार को कल्याण इलाके में एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में बदबू के बारे में पूछताछ करने के लिए फ्लैट पर गए, तो एक लड़के ने दरवाजा खोला। इस दौरान उसकी मां का सड़ा हुआ शव पाया गया। किशोर ने बताया कि उसकी मां की मौत बीमारी से हुई थी और उसे किसी साजिश का संदेह नहीं है।

गणेशोत्सव मंडलों के लिए 6 अगस्त से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक गणेशोत्सव 2024 को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए, मुंबई नगर निगम प्रशासन 6 अगस्त, 2024 से कंप्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से सार्वजनिक श्री गणेश मंडलों को मंडप निर्माण के लिए ऑनलाइन अनुमति देगा। महाराष्ट्र सरकार के निर्णय के अनुसार, इस वर्ष के गणेशोत्सव में, पिछले दस वर्षों से सरकारी नियमों और कानूनों का पालन करने वाले उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को लगातार पांच वर्षों तक विभाग कार्यालय के माध्यम से एक बार अनुमति दी जाएगी। इसके लिए सार्वजनिक या निजी स्थानों पर गणेशोत्सव मनाने वाले समूहों को स्व-घोषणा पत्र जमा करना होगा कि उन्होंने पिछले दस वर्षों में सभी नियमों और कानूनों का पालन किया है और उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं है। हालांकि नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि हर साल अनुमति का नवीनीकरण कराना जरूरी होगा।

महोत्सव के दौरान विभिन्न सराहनीय गतिविधियों

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त और प्रशासक भूषण गगरानी, अतिरिक्त आयुक्त (पूर्वी उपनगर) डॉ. अमित सैनी के मार्गदर्शन में इस वर्ष श्री गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। मुंबई महानगर की सांस्कृतिक पहचान श्री गणेशोत्सव 7 सितंबर 2024 से शुरू हो रहा है। इस महोत्सव को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए नगर निगम लगातार विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रहा है। इस वर्ष नगर निगम प्रशासन ने महोत्सव के दौरान विभिन्न सराहनीय गतिविधियों को क्रियान्वित करने का संकल्प लिया है। इसके तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले गणेशोत्सव मंडलों को इस वर्ष से लगातार पांच वर्षों तक अनुमति दी जाएगी।

वन विंडो योजना

वन विंडो योजना के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की जांच संभागीय कार्यालय द्वारा की जाएगी जिसके बाद स्थानीय पुलिस स्टेशन यातायात पुलिस विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्राप्त किया जाएगा और मंडप के लिए नियमानुसार अनुमति दी जाएगी। इस वर्ष नवीन रूप से सार्वजनिक उत्सव मनाने वाली मंडलियों को दी जाने वाली मंडप स्थापित करने की अनुमति केवल इस वर्ष तक ही सीमित रहेगी।

धारावी पुनर्विकास को गति देने के लिए जागरूकता अभियान

डीआरपी सीईओ एस. वी. आर. श्रीनिवास का आश्वासन

धारावी के मास्टर प्लान का किया जाएगा प्रदर्शन

दीपक पवार । मुंबई

धारावी के लोग लगातार अडानी ग्रुप की डीआरपीपीएल कंपनी और धारावी पुनर्विकास परियोजना का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नागरिकों द्वारा बायोमेट्रिक सर्वेक्षण के विरोध के कारण धारावी के लोग असमंजस में हैं इसलिए धारावी के पुनर्विकास को लेकर वहां के निवासियों के मन में हजारों शंकाएं हैं, उनके विरोध को खत्म करने और रोकने के लिए हम जल्द ही जन जागरूकता अभियान चलाएंगे। साथ ही धारावी का एक मास्टर प्लान भी तैयार किया जाएगा और इसकी जनता को जागरूक किया जाएगा। प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। धारावी पुनर्विकास परियोजना के प्रमुख एसवीआर श्रीनिवास ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया।

अडानी विरोधी माहौल को लेकर धारावी के लोगों में भ्रम की स्थिति

धारावी पुनर्विकास के मुद्दे और लोगों के बीच अडानी विरोधी माहौल को लेकर धारावी के लोगों में भ्रम की स्थिति है. एसवीआर श्रीनिवास से मुलाकात की और उन्हें मांगों का विवरण दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में संगठन के पदाधिकारी दीपक कैतके, शैलेन्द्र कांबले, दीपक पवार आदि शामिल थे। धारावी पुनर्विकास को लेकर निवासियों के मन में हजारों शंकाएं दूर होनी चाहिए, धारावी पुनर्विकास को लेकर बैठकें होनी चाहिए, परियोजना के संबंध में संवाद बनाया जाना चाहिए, जन जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। पारदर्शिता होनी चाहिए। साथ ही डीआरपी को धारावी का मास्टर प्लान तैयार कर उसे धारावी में प्रदर्शित कर लोगों का विश्वास अर्जित करना चाहिए। शैलेन्द्र कांबले, दीपक काइटके ने बताया कि उन्होंने डीआरपी के सीईओ श्रीनिवास के साथ ऐसे कई सवालों पर चर्चा की। धारावी परियोजना पूरी होने वाली है लेकिन इस परियोजना को गति देने के लिए पहले सर्वेक्षण किया जाना चाहिए इसलिए हमने सर्वेक्षण का काम शुरू कर दिया है। परंतु हम आपके संगठन द्वारा दिए गए सुझावों एवं मांगों पर अवश्य सकारात्मक विचार करेंगे। धारावी पुनर्विकास परियोजना प्रमुख श्री एसवीआर श्रीनिवास ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह आपकी मांगों को हल करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर श्रीनिवास ने कहा कि हम स्थानीय समुदाय की जरूरतों और समस्याओं को प्रस्तुत करने के लिए स्थानीय संगठनों, संगठनों और कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधियों के साथ लगातार चर्चा करेंगे। व्यक्तियों या संगठनों के साथ बैठकें आयोजित करें। धारावी के पुनर्विकास के संबंध में निवासियों की शंकाओं को दूर करने और परियोजना को गति देने के लिए धारावी में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जागरूकता अभियान के तहत योजना और विभिन्न प्रश्नों को लेकर एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। साथ ही प्रिंसिपल श्रीनिवास ने आश्वासन दिया कि वह धारावी का एक मास्टर प्लान, एक योजना, एक मॉडल तैयार करेंगे और इसकी एक सार्वजनिक प्रदर्शनी आयोजित करेंगे और जनता में विश्वास पैदा करने के लिए इस प्रदर्शनी को धारावी के लोगों के लिए खोलेंगे।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार जिंदगी सिर्फ दो वक्त की रोटी कमाने के लिए नहीं है : रामकिंकर बैज

नए संसद भवन में हो रहे पानी लीकेज को लेकर गरमाई सियासत

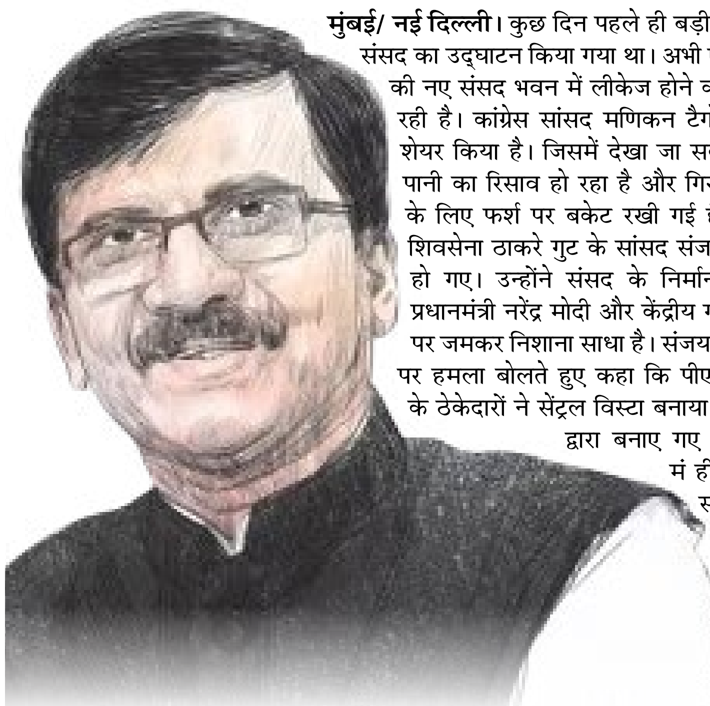

मुंबई/ नई दिल्ली। कुछ दिन पहले ही बड़ी ही धुमधाम से नई संसद का उद्घाटन किया गया था। अभी एक साल नहीं हुआ की नए संसद भवन में लीकेज होने की खबरें सामने आ रही है। कांग्रेस सांसद मणिकन टैगोर ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें देखा जा सकता है कि छत से पानी का रिसाव हो रहा है और गिरते पानी को रोकने के लिए फर्श पर बकेट रखी गई है। इसे लेकर अब शिवसेना ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत आक्रामक हो गए। उन्होंने संसद के निर्मान कार्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर निशाना साधा है। संजय राउत ने मोदी शाह पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी और शाह के ठेकेदारों ने सेंट्रल विस्टा बनाया है। इनके ठेकेदारों द्वारा बनाए गए वस्तूए कम समय मं ही टूट रहे है। इससे साफ दिख रहा है कि इसमें कितना कमिशनखोरी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में अटल सेतू और समृद्धी महामार्ग भी स्मारक है।

संजय राउत ने पीएम मोदी और शाह पर बोला हमला

मोदी और शाह पर साधा निशाना

संजय राउत ने आगे कहा कि राम मंदिर में भी लीक हो रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए ठेकेदारों से पैसे लेना एक उद्योग बन गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राष्ट्रीय पहचान बची हुई है? राउत ने यह भी कहा कि अगर संसद में ऐसा है तो सदस्यो और जनता ने क्यों नहीं सवाल पुछना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संसद में सवाल करने का अधिकार सिर्फ सत्ताधारी लोगों को है। सरकार से सवाल पुछने पर हम अपराधी हो जाते हैं।

फडणवीस पर भी बोला हमला

नए संसद भवन में हो रहे लीकेज को लेकर संजय राउत ने कहा कि जिन ठेकेदारों ने काम किया है। हम उन पर कार्रवाई की मांग जरूर करेंगे। कोई कितना बेईमान, भ्रष्ट औक क्रूर हो सकता है इसका उदाहरण फडणवीस हैं। वह बेईमानी की पॉलिटिक्स कर रहे है। शिवसेना ठाकरे गुट ने भी राम मंदिर लीकेज और नए संसद भवन में लीकेज को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है।

ठाकरे गुट ने किया बड़ा फैसला

विधानसभा चुनाव के लिए नासिक पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से की उम्मीदवार की घोषणा

मुंबई/नासिक। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महाराष्ट्र में माहौल गरमा गया है। लोकसभा चुनाव में मिली असफलता के लिए महायुति ने कमर कस ली है, वहीं महाविकास अघाड़ी ने भी तैयारी शुरू कर दी है। लेकिन इस चुनाव में सबसे बडी स्पर्धा सीट बंटवारे को लेकर होने वाली है। महाविकास अघाड़ी में फूट हो गई है।

सीट बंटवारे पर बातचीत से पहले, ठाकरे समूह ने नासिक में अपने पहले उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। शिवसेना की बैठक में एक सर्वसम्मती से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। शिवसेना ठाकरे गुट ने नासिक पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से सुधाकर बडगुजर और मध्य निर्वाचन क्षेत्र से वसंत गिते का नाम तय किया गया है। इससे एमवीए में विवाद बढ़ने की आशंका है। महाविकास अघाड़ी में शरद पवार गुट और कांग्रेस की भूमिका पर सबकी नजर है। बुधवार को रंगशारदा में शिवसैनिकों की सभा कर उद्धव ठाकरे ने विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है। लेकिन नासिक में उम्मीदवारों की घोषणा से राजनीति में हलचल मच गई है। कहा जा रहा है कि शरद पवार गुट और कांग्रेस उद्धव ठाकरे से अपनी नाराजगी जाहिर करेंगे।

महागठबंधन में भी असंतोष

वहीं, दूसरी तरफ सुनील तटकरे के नासिक दौरे के बाद महायुति में तनाव बढ़ गया है। नरहरी जिरवाल की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद महायुति में तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि शिंदे गुट के नेता और दिंडोरी के पूर्व विधायक धनराज महाले नाराज हैं। धनराज महाले ने सवाल उठाया है कि तटकरे को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा है कि उम्मीदवारी पर फैसला तीनों दलों के वरिष्ठ नेता लेंगे।

धनराज महाले ने क्या कहा ?

धनराज महाले ने साफ कर दिया है कि वह चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं और इसकी शिकायत पार्टी के वरिष्ठों से करेंगे। धनराज महाले ने दावा किया है कि पार्टी में शामिल होते ही मुख्यमंत्री ने उनसे वादा किया है। उन्होंने यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि झिरवाल परिवार ने लोकसभा में विरोधी भूमिका निभाई है।

न्यूज़ ब्रीफ

खुद कार के गेट पर लटका, स्टेयरिंग पकड़ दौड़ा दी गाड़ी

मुंबई। मुंबई में शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुलिस इन लोगों पर कार्रवाई भी कर रही है बावजूद इसके लोग बाज नहीं आ रहे हैं। पुणे के पोर्श कार हादसा और मुंबई के शिवसेना नेता के बेटे के BMW हादसे के बाद अब एक और मामला सामने आया है। जहां शराब के नशे में गाड़ी चला रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी न सिर्फ शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था बल्कि स्टंट भी कर रहा था। जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक का नाम सूरज झामन साव है जिसकी उम्र 26 साल है। जो नशे में धुत होकर कार सड़क पर कार चला रहा था। इस दौरान वह ड्राइविंग सीट से उतर कर स्टंट भी कर रहा था। गाड़ी सड़क पर इधर उधर हो रही थी वहीं युवक इसका मजा ले रहा था। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे खड़े वाहनों से टकरा गई। इस पूरे घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह से युवक न सिर्फ अपनी बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में डालकर गाड़ी से उतर कर स्टंट कर रहा है।

पहचान छिपाकर अमित शाह से मिलने के लिए दिल्ली गए थे अजित पवार

सुप्रिया सुले ने अजित पवार पर बोला बड़ा सियासी हमला

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज होने लगी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने अजित पवार का बड़ा हमला बोला है। सुप्रिया सुले ने कहा है कि महायुति में जाने से पहले अजित पवार ने दिल्ली में बीजेपी नेता अमित शाह से मुलाकात की थी। उन्होंने बोर्डिंग पास अपना नाम भी बदला लिया था। सुप्रिया सुले ने कहा कि काफी शॉकिंग है। इसकी जांच की जानी चाहिए। सुले ने कहा कि इससे लगता है कि वह अपनी पहचान छुपा रहे थे। दिल्ली और मुंबई की लॉ इंफोर्समेंट एजेंसियों को इसकी जांच करनी चाहिए। अजित पवार 2024 में दो जुलाई को महायुति में शामिल हुए थे और सीधे डिप्टी सीएम की शपथ ली थी। उनके साथ 40 विधायक चले गए थे। सुप्रिया सुले के अनुसार यह घटनाक्रम इससे पहले का है।

सुले ने कहा कि जब अजित पवार खुद को छिपाने में व्यस्त थे, तब प्रधानमंत्री मोदी उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि उस समय अजित पवार गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत कर रहे थे। सुप्रिया

क्यों बदला था भेष?

सुप्रिया सुले ने दावा किया है कि महायुति में शामिल होने से एक सप्ताह पहले वह दिल्ली में अमित शाह से मिले थे। सुले के अनुसार जांच होनी चाहिए कि आखिर किस वजह से वह भेष बदलकर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना बोर्डिंग पास अपने नियमित नाम अजित पवार के बजाय 'ए ए पवार' के नाम से लिया था और उन्होंने मास्क और टोपी भी पहनी थी। सुले ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि राज्य में विपक्ष के नेता के तौर पर अजित पवार ने बोर्डिंग पास पर अपना नाम बदल लिया। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा का भी सवाल है।

तब पीएम लगा रहे थे आरोप

सुले ने अजित पवार के ऊपर यह बम ऐसे वक्त पर फोड़ा है जब सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार गुट की याचिका पर अजित पवार और उनके 40 विधायकों को नोटिस जारी किया। जिसमें स्पीकर द्वारा अजित पवार के गुट को महाराष्ट्र में वैध एनसीपी के रूप में मान्यता दिए जाने पर आपत्ति जताई गई थी। राज्य में वित्त विभाग संभाल रहे एनसीपी नेता अजित पवार ने विधानसभा चुनावों से पहले 'जनसंवाद यात्रा करेंगे।

स्वप्निल कुसाले को एक करोड़ का इनाम देगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 मीटर एयर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में कोल्हापुर के स्वप्निल सुरेश कुसाले ने गुरुवार को कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने भारत को तीसरा पदक दिलाया। स्वप्नील के इस प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार ने बधाई दी। इस मौके पर सीएम शिंदे ने स्वप्नील को महाराष्ट्र का गौरव बताया। साथ ही उन्होंने स्वप्निल को एक करोड़ रूपये का इनाम देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि स्वप्नील ने कुश्ती में भारत को पहला व्यक्तिगत पदक दिलाने वाले खशाबा जाधव की यादें ताजा कर दी। करीब 72 साल बाद स्वप्नील ने महाराष्ट्र के लिए यह पदक जीतकर राज्य में खेल जगत में उसी तरह की खुशी और उत्साह पैदा किया

है। कोल्हापुर जिले में निशानेबाजी की एक महान परंपरा है। इस परंपरा को स्वप्नील ने कायम रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि स्वप्निल को महाराष्ट्र सरकार की ओर से जो भी सहयोग चाहिए वो मुहैया कराई जाएंगी। इस मौके पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के बेटे और निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। स्वप्निल कुसाले आपकी 'अभेद्य' सफलता को सलाम करते हैं!

10 दिन में नासिक मार्ग सुचारू नहीं तो अधिकारी होंगे निलंबित

मुंबई/नासिक। मुंबई-नासिक राजमार्ग पर सबवे, फ्लाईओवर जैसे कार्यों के साथ-साथ गड्ढों के कारण होने वाले ट्रैफिक जाम से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए सभी प्रकार के उपाय युद्ध स्तर पर लागू किए जाने चाहिए। राज्य सरकार के माध्यम से सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जायेगी। हालाँकि, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आज लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि यदि अगले 10 दिनों में इस राजमार्ग पर यातायात सुचारू नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारी को निलंबित कर दिया जाए।

मुंबई-नासिक राजमार्ग उत्तर महाराष्ट्र को राज्य की राजधानी से जोड़ने वाली प्रमुख सड़क

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा, मुंबई-नासिक राजमार्ग उत्तर महाराष्ट्र को राज्य की राजधानी से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण और प्रमुख सड़क है। इसलिए इस राजमार्ग पर भारी मात्रा में वाहनों का आवागमन रहता है। फिलहाल इस हाईवे पर आसनगांव, वाशिंद और कुछ अन्य जगहों पर फ्लाईओवर का काम चल रहा है। बारिश के कारण हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है और नासिक और मुंबई के बीच यात्रा का समय 8 से 10 घंटे तक पहुंच गया है। तीन घंटे की दूरी तय करने में यात्रियों

को दोगुने से भी ज्यादा समय लग रहा है और उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,। यह बेहद गंभीर है और इस हाईवे की युद्ध स्तर पर मरम्मत की जरूरत है। यदि समय रहते हाईवे के गड्ढे भर दिए जाएं तो वाहनों की गति बढ़ाई जा सकती है और समय भी बचाया जा सकता है। लेकिन देखने में आ रहा है कि इस हाईवे के ठेकेदार से गलती हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, जन प्रतिनिधि संयुक्त निरीक्षण करें तथा ड्रोन के माध्यम से गड्ढे वाली सड़कों का वीडियो बनायें। इसके बाद उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गड्ढे भरने और हाईवे की मरम्मत होने तक इस हाईवे पर टोल वसूली बंद करने का प्रस्ताव देने का निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में बैठक

मुंबई-नासिक राजमार्ग के सुधार को लेकर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में मंत्रालय में उनके समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, विधायक रईस शेख, योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजगोपाल देवड़ा, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, लोक निर्माण विभाग की अपर मुख्य सचिव मनीषा म्हैसकर, राज्य सड़क विकास निगम के प्रबंध निदेशक अनिल गायकवाड, सचिव (निर्माण) संजय दशपुते, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी अंशुमाली श्रीवास्तव, ठाणे राजमार्ग सुरक्षा विभाग के पुलिस अधीक्षक मनोहर दहिकर आदि उपस्थित थे। जबकि लोक निर्माण मंत्री दादाजी भुसे, विधायक देवयानी फरांडे, दिलीप बनकर, हीरामन खोसकर सहित संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो सिस्टम के माध्यम से भाग लिया।

नगर आयुक्तों को 10 दिनों के भीतर उपायों को लागू करना चाहिए

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों से मुंबई-नासिक राजमार्ग पर उन्नयन, चौड़ीकरण, फ्लाईओवर, सबवे जैसे विभिन्न कार्य चल रहे हैं। बरसात के दिनों में हाईवे पर गड्ढे हो जाते हैं और उन्हें समय पर नहीं भरा जाता। कार्य स्थल पर निर्मित बायपास सड़कों की गुणवत्ता, गड्ढों एवं यातायात नियंत्रण संबंधी त्रुटियों का समाधान करने की आवश्यकता है। इसलिए, राजमार्गों पर यातायात की भीड़ को खत्म करने के लिए तत्काल उपायों को लागू करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस, भिवंडी, कल्याण और नासिक नगर आयुक्तों जैसी संबंधित एजेंसियों के समन्वय से अगले 10 दिनों के भीतर उपायों को लागू करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मुंबई-नासिक राजमार्ग पर तत्काल कदम उठाने का सुझाव देते हुए कहा कि ज्यादातर समय ट्रैफिक जाम में वाहनों के खराब होने के कारण पीछे की ओर वाहनों की कतारें लग जाती हैं। क्षतिग्रस्त वाहन को तुरंत हटाया जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक 40 टन क्रेन परिवहन पुलिस द्वारा उपलब्ध करायी जाय। इसके लिए एनएचएआई और एमएसआरडीसी को ट्रैफिक पुलिस को फंड मुहैया कराना चाहिए। भीड़भाड़ वाले समय में ट्रैफिक जाम होने पर ड्रोन से नियंत्रण कर आवश्यक उपाय किये जायें। कुशल परिवहन प्रणाली के लिए इस राजमार्ग पर यातायात की नियमित रूप से ड्रोन द्वारा निगरानी की जानी चाहिए।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

- सार्वजनिक सूचना-

रुचि की अभिव्यक्ति का विज्ञापन

विषयः सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत श्रेणी "डी" में रिक्त पदों को एनजीओ के माध्यम से भरने के संबंध में।

के/डब्ल्यू सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से अनुबंध आधार पर श्रेणी "डी" में रिक्त पदों को भरने के लिए इच्छुक है (उनके सदस्यों को रोजगार मिलना चाहिए) हम आवेदक से अनुरोध कर रहे हैं कि वह अपनी पात्रता तैयार करें और नौकरी के लिए आवेदन करें के/डब्ल्यू सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग से आवेदन 2/08/2024 से 5/8/2024 और 5/8/2024 से 11/8/2024 तक उपलब्ध हो सकते हैं। इच्छुक संगठनों को अधिक जानकारी, आवेदन और शपथ पत्र के लिए के/डब्ल्यू सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यालय से संपर्क करना चाहिए, आवेदन और शपथ पत्र के नमूने आवेदन की अंतिम तिथि 5/8/24 (03:00) है)। बताई गई कार्यालय अवधि के बाद दायर आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ता./
चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी
के/पश्चिम विभाग

पीआरओ/777/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

- सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (1 जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा **8 (3) (क)** के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में परिमंडल-2 के अंदर जी/दक्षिण विभाग से **01** प्रस्ताव, ,जी/उत्तर विभाग से **01** प्रस्ताव यानी कुल **02** प्रस्ताव वृक्षों को हटाने के लिए मनपा आयुक्त/अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण के तहत मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुर्नरोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के **www.mcgm.gov.in** वेबसाइट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका/गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण 960(जी/दक्षिण), 961(जी/उत्तर) पर उपलब्ध है।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण के वृक्ष अधिकारी
पेंग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
दूरभाष क्रमांक-022-23742162
ईमेल- sg.gardens@mcgm.gov.in

हस्ता.
उद्यान अधीक्षक व
वृक्ष प्राधिकरण

पीआरओ/769/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

वायनाड त्रासदी

केरल के वायनाड जनपद स्थित कई इलाकों में मंगलवार की रात्रि में भूस्खलन की कई घटनाओं में डेढ़ सौ से अधिक लोगों की मौत और सैकड़ों की गुमशुदगी निश्चित रूप से एक बड़ी मानवीय त्रासदी है। देर रात आई आपदा ने जन-धन की हानि को बढ़ाया है। भूस्खलन से उपजी बड़ी मानवीय त्रासदी इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक रौद्र को बढ़ाने में मानवीय हस्तक्षेप की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका रही है। भूस्खलन और उसके बाद तेज बारिश से राहत व बचाव के कार्यों में बाधा आने से फिर स्पष्ट हुआ है कि कुदरत के रौद्र के सामने आज भी सारी मानवीय व्यवस्था बौनी साबित होती है। ऐसी आपदाएं हमें सबक देती हैं कि भले ही हम कुदरत का कोहराम न रोक सकें लेकिन जन-धन की हानि को कम करने के प्रयास जरूर किये जा सकते हैं। वायनाड के इलाके में तमाम केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां तथा सेना राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और विस्थापितों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लापता लोगों को तलाशने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि, तेज बारिश व विषम परिस्थितियों से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है। प्रथम दृष्टया इस तबाही को एक प्राकृतिक आपदा के रूप में वर्णित किया जा रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके और वन क्षेत्र को लगातार हुए नुकसान जैसे कारकों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा जारी भूस्खलन के मानचित्र के अनुसार भारत के भूस्खलन की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में दस जिले केरल में स्थित हैं। जिसमें वायनाड 13वें स्थान पर हैं। वर्ष 2021 के एक अध्ययन के अनुसार केरल में सभी भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाके पश्चिमी घाट में स्थित हैं। जिसमें इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिले शामिल हैं। जाहिर है इस चेतावनी को तंत्र ने गंभीरता से नहीं लिया। दरअसल, यही वजह है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से पश्चिमी घाट के पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति को रोकने के लिये एक कार्ययोजना तैयार करने का आग्रह किया है। निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर-तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। यदि ऐसी आपदाओं से बचाव के लिये प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित कर ली जाती है तो जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। विडंबना है कि केरल के मामले में ऐसा नहीं हो पाया है। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान-माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जिसके लिये राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है। वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। लेकिन विडंबना यह है कि विगत के वर्षों में वायनाड में कई बार हुई भूस्खलन की घटनाओं को राज्य शासन ने गंभीरता से नहीं लिया है। यह अच्छी बात है कि सभी राजनीतिक दलों व केंद्र तथा राज्य सरकार ने आपदा के प्रभावों से मुकाबले में एकजुटता दिखायी है। हालांकि, विषम परिस्थितियों व मौसम की तल्खी के कारण नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रभावित इलाकों में नहीं पहुंच पाए, लेकिन आपदा पीड़ितों के राहत, बचाव के लिये देश व तंत्र की एकजुटता निश्चित ही पीड़ितों का मनोबल बढ़ाएगी।

अग्निपथ योजना में सुधार की काफी गुंजाइश

पिछले शुक्रवार द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अग्निपथ मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य सेना को युवा बनाए रखना है एक ऐसी सेना जो युद्ध के लिए निरंतर चुस्त रहे। उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। उन्होंने इससे भी कड़े शब्द बरते, लेकिन सवाल है कि यह सब कहने के लिए क्या यह अवसर उचित था? आदर्श रूप में, इस पवित्र दिन को मनाने के लिए मंच पर विपक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों को एक साथ होना चाहिए था। परंतु यह अपेक्षा शायद कुछ ज्यादा ही हो गई। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 10 सालों में सेना के स्वरूप में काफी सुधार किया गया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, सैन्य मामलों के लिए अलग विभाग का गठन, सुधरे रूप में सैन्य खरीद नीति, रक्षा उद्योग को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की बाध्यता, रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी को अनुमति और इन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास राशि का 25 फीसदी मुहैया करवाना जैसे अनेक उपाय किए गए हैं। लेकिन सेना को लेकर अग्निपथ योजना अपने आप में सबसे अधिक महत्वाकांक्षी है। इस योजना के तहत एक युवा की सेना में भर्ती 17-21 साल के बीच होनी है, उसका सेवाकाल चार साल का होगा और सेवामुक्ति उपरांत एकमुश्त रकम मिलनी है। चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी। लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी। इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ जब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवाणे ने विमोचन के लिए लंबित अपनी पुस्तक में कहा कि यह योजना नौसेना और वायुसेना के लिए 'बिन बादलों की बिजली गिरना' बनकर आई और खुद उन्होंने जो प्रारूप सरकार को सौंपा था, वह केवल थल सेना के लिए था और उसमें भी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फौज में आगे बने रहना था, केवल शेष 25 फीसदी को सेवामुक्त करना था। परंतु रक्षा मंत्रालय ने इसको एकदम उलटा कर दिया, यानी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को कार्यमुक्ति और 25 फीसदी को सेना में बनाए रखने वाला प्रावधान बना डाला। राजनीति की वजह से, आरंभ से ही अग्निपथ योजना को लेकर विवाद होने लगे थे और दोनों पक्षों ने इस पर खेल किया, मुख्य सवाल जो अक्सर किया जाता हैः हम अग्निवीरों के लिए और अधिक क्या कर सकते हैं? फिर हमारे पास उस अन्य प्रश्न का भी ठोस उत्तर नहीं है कि अग्निवीर सेना के लिए क्या और कितने उपयोगी होंगे? इस बाबत मुख्य दलील यह दी जाती है कि अग्निपथ योजना से सेना के जवान की औसत आयु बनिस्बत युवा बनी रहेगी। सरकार की ओर से दिए शपथपत्र में दावा किया गया है कि अफसर पद से नीचे, भारतीय सैनिक की औसत आयु विश्व में सबसे अधिक, 32 साल है, जबकि वैश्विक औसत 26 वर्ष है। लेकिन दशकों से सेना में भर्ती की उम्र सदा 16.5 से 21 वर्ष के बीच रही है। कुल 75 प्रतिशत अग्निवीरों की सेवानिवृत्ति और प्रत्येक भर्ती चक्र में नई उम्र के युवाओं की आमद बनाने से योजनाकारों को उम्मीद है कि इससे फौज की औसत आयु कम हो पाएगी। किंतु जैसा कि पहले कहा, बदले में प्राप्ति क्या होगी? भारतीय सेना में भर्ती की कुछ हकीकतें हैं। देखा गया है कि जो युवा जल्दी भर्ती होते हैं, अक्सर उनका भार और पौष्टिकता स्तर उनकी पृष्ठभूमि में विविधता के हिसाब से कम होता है। पहले नौ महीने का प्राथमिक प्रशिक्षण चरण हुआ करता था, उसमें शुरुआत नए सिरे से करनी पड़ती थी, जिसमें यह वक्त उसे शारीरिक रूप से तगड़ा करने और अनुशासन में ढालने में निकल जाता था। इसके बाद शुरू होता व्यावसायिक प्रशिक्षण, चाहे उसे अग्रिम दस्ते का फौजी बनाना हो या अधिक तकनीकी हुनरयुक्त जवान, मसलन, टैंक, तोप, वायु रक्षा प्रणाली चलाने वाला। इनमें मामूली योग्यता पाने के लिए भी एक और साल खपता है। जबकि अब महज छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीर को सेना में भर्ती किया जा रहा है। रंगरूट की ग्रामीण पृष्ठभूमि, शिक्षा का स्तर और किसी उम्र में भर्ती हुई, इनके परिप्रेक्ष्य में लगता नहीं कि अग्निवीर कोई बहुत बढ़िया कौशल विकसित कर पाएंगे। जो देश हम से आगे हैं, वहां नया रंगरूट पहले से किसी न किसी कौशल से युक्त होता है जैसे कि वाहन चलाने का हुनर, लेकिन भारत में इसके लिए भी तीन महीने तक लग सकते हैं। पूर्व एडमिरल अरुण प्रकाश का कहना है, कदाचित अग्निवीर थल सेना के लिए उपयोगी हों, जहां आक्रमण में अग्रिम दस्ते का फौजी बनने के लिए अधिक तकनीकी योग्यता की इतनी जरूरत नहीं है, लेकिन वायु सेना और नौसेना के लिए यह बड़ी समस्या बन जाएगी, जहां किसी नए भर्ती युवा को समुचित कार्यकारी अनुभव पाने के लिए कम से कम 5-6 साल की जरूरत पड़ती है, उसके बाद ही उसे किसी अभियान का हिस्सा या खतरनाक अस्त्रों का रख-रखाव, जटिल मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण चलाने का काम सौंपा जा सकता है। सरकार का कहना है कि इस योजना का मनोरथ केवल फौज की औसत आयु कम करना है न कि कोई अन्य उद्देश्य। लेकिन यदि पिछली बातों को याद करें तो सरकार के लिए इस तथ्य को मानने की जरूरत है कि यह योजना केवल वित्तीय बोझ कम करने की गर्ज से है, जिसका लाभ वैसे भी एक दशक बाद होना शुरू होगा। फिलहाल सेवानिवृत्त फौजियों को पेंशन देने में कुल खर्च 1.41 लाख करोड़ रुपये आता है अर्थात् कुल रक्षा बजट का 22.7 फीसदी, जिसे सेना के गले में बंधे भारी पत्थर की तरह लिया जाता है। विगत में युवा सैन्य बल बनाने की मांगों के चलते जरूरी नहीं कि फायदे के बदले नुकसान करवा बैठें। इस योजना को बंद करने की बजाय सरकार इसमें बदलाव लाए और खामियों को दूर करे, मसलन, प्रशिक्षण और कौशल विकास के विषय में। अग्निवीर का कार्यकाल चार साल से बढ़ाकर सात वर्ष करने का सुझाव अच्छा हो सकता है, और पिछले कुछ समय से इसकी मांग हो रही है। इससे प्रशिक्षण के लिए समुचित वक्त मिल पाएगा और ऐसा फौजी सैन्य बल को प्रभावशाली योगदान भी दे पाएगा। इस नए प्रावधान के मुताबिक जब तक कोई अग्निवीर सेवामुक्त होगा तब उसकी उम्र 24-28 साल के बीच होगी, जो नौकरी के विभिन्न मौकों के लिए आदर्श होगी, कुछ वक्त लगेगा पर ऐसे अवसर उनके लिए बनते चले जाएंगे। और यहां सनद रहे, कारगिल युद्ध-1999 में 550 से अधिक जो फौजी शहीद हुए थे, वे सभी पूरी तरह प्रशिक्षित, तपकर निकले और प्रतिबद्ध सैनिक थे न कि अग्निवीर। अग्निपथ योजना का इस किस्म का इम्तिहान होना बाकी है।

सहज योग

जो सत्य नहीं, वह भ्रम

यदि आप उपलब्धि चाहते हैं तो इसके बारे में असली बनें। अब आप खुद ही देख लीजिए कि ऐसा होता है या नहीं। आप अपनी खुली आंखों से देख सकते हैं – इन लोगों ने देखा है – कुंडलिनी को स्पंदित होता हुआ।

यह आपको पता होना चाहिए कि मैं ऐसा कुछ बताने वाली नहीं हूं जो सत्य नहीं है, क्योंकि मैं यहां किसी राजनीतिक लाभ के लिए, व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं हूं। नहीं साहब, मैं यहां स्वयं आपके फायदे के लिए हूं, असलियत के बारे में। यदि आप उपलब्धि चाहते हैं तो इसके बारे में असली बनें। अब आप खुद ही देख लीजिए कि ऐसा होता है या नहीं। आप अपनी खुली आंखों से देख सकते हैं – इन लोगों ने देखा है – कुंडलिनी को स्पंदित होता हुआ। आप इसे देख सकते हैं। यह धड़कती है। जब लोग मेरे पैर छूते हैं, तो कई मामलों में यह धड़कती है। उन्होंने इसे देखा है। वे सब झूठे नहीं हैं! और उन्हें झूठ क्यों बोलना चाहिए? हासिल करने के लिए कुछ नहींः पैसा नहीं, सबसे पहले, वही अलग कर दिया है। तो दूसरी बात क्या है? यह कुंडलिनी उठती है, और आप इसे ऊपर उठते हुए देख सकते हैं, इन सभी चक्रों से होकर गुजरती है, और यह उस स्थान पर रुक जाती है जहां आपको कोई समस्या है। एक अन्य दिन हमारे पास कहीं से एक बहुत बड़ा आदमी था जो मुझसे मिलने आया था, और उसकी कुंडलिनी ऊपर आई, और बस ऐसे ही यहां धड़क रही थी। और यह सारा हिस्सा ऐसे ही धड़क रहा था। मेरा मतलब केवल उस हिस्से से है। तो लोगों ने उससे पूछा, "क्या तुम ठीक हो?" उन्होंने कहा, "हां, मैं ठीक हूं।" "लेकिन क्या आपको लीवर की समस्या है? "हां मुझे है। आपको कैसे मालूम?" आप जान सकते हैं। कुंडलिनी ही सुझाव दे रही है। यह धड़क रही है। तो तुम्हें जिगर को ठीक करना है, तुम्हें पूरे अस्तित्व को ठीक करना है। आपको बहुत सारी समस्याएं हैंः शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक। लेकिन जो भी समस्या हो, मैंने उन्हें सुलझा लिया हैः सभी क्रम परिवर्तन और संयोजन जिन पर मैंने अभी काम किए हैं ताकि एक को छोड़कर, अब कोई क्रम परिवर्तन न हो जिस के बारे में मैं कह सकती हूं कि काम नहीं किया गया हैः यह सबसे खराब है, गलत पहचान है।यदि आप गलत पहचान के साथ आगे बढ़ते हैं तो यह आपकी मदद नहीं कर सकता है। आपको पता होना चाहिए कि आपको अपने आप को पहचानना चाहिए और किसी और चीज से नहीं; तभी यह काम करता है। बस यही एक चीज है, किसी भी असत्य के साथ गलत पहचान। सत्य पाने के लिए प्रार्थना करो, और सत्य तुम्हें दिया जाएगा। लेकिन सत्य की मांग करें। 'सच्चाई' वह नहीं है जिसे तुमने सच बना दिया है। सत्य जैसा है वैसा ही हैः तुम सत्य को बना नहीं सकते, तुम उसे रूप नहीं दे सकते।

जीवन ऊर्जा

रामकिंकर बैज : निधन- 2 अगस्त 1980

देहावसान

जिंदगी सिर्फ दो वक्त की रोटी कमाने के लिए नहीं है

रामकिंकर बैज का जन्म 25 मई 1906 को बंगाल के बाकुड़ा जिले में हुआ था। उनको आधुनिक भारतीय मूर्तिकला का जनक कहा जाता है। वह भारत के प्रसिद्ध मूर्तिकार थे। आधुनिक भारतीय मूर्तिकला के अग्रदूतों में उनकी गणना होती है। भारतीय कला में उनके अतुल्य योगदान के लिए वर्ष 1970 में भारत सरकार ने उन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया। 2 अगस्त 1980 में आईपीजीएमईआर एसएसकेएम अस्पताल, कलकत्ता में उनकी मृत्यु हो गई।

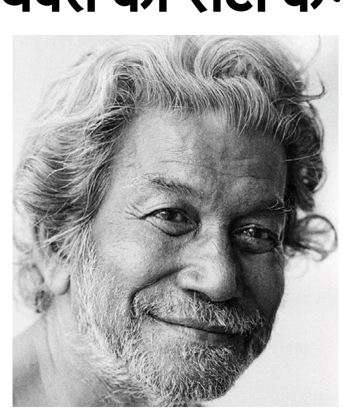

भारत के महान मूर्तिकार रामकिंकर बैज एक सच्चे कलाकार थे। पेंटिंग से लेकर पोर्ट्रेट और मूर्तिकला तक वह अपनी कला के स्वामी थे। अपने काम में दोष देखने के लिए आपको अंधा होना पड़ेगा। मैं दिन के उजाले में इस दुनिया के बगीचे में अपनी आंखों से जो देखता हूं, उसे मैं अपनी पेंटिंग में चित्रित करता हूं। मैं इसके अंधेरे में जो छूता हूं और महसूस करता हूं, उसे मैं अपनी मूर्तिकला में ढालता हूं। प्रयोग करने से न डरें। अगर आपको अपने काम में खामियां नजर आती हैं तो उसे तोड़ दें और दोबारा शुरुआत करें। मैं उनके प्रति एक आकर्षण महसूस करता हूं। इसका मुख्य कारण उनकी जिजीविषा, स्फूर्ति और लय है। चाल और शब्द लयबद्ध हैं। वही लय उनके घर परिवार में, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों में, उनके उत्सवों में झलकती है। मैं सामाजिक प्रतिक्रिया की परवाह नहीं करता। मैं एक अपरिहार्य आवेग महसूस करता हूं और यह मुझे सृजन करने के लिए मजबूर करता है। यह आंतरिक प्रेरणा मुझे पेंटिंग करने या सृजन करने के लिए बाध्य करती है। क्या इससे सचमुच कोई फर्क पड़ता है कि अमीर और संभ्रांत वर्ग मेरी कलाकृतियों की मांग करता है या नहीं? मेरे भीतर जो रूप और आकृतियां जन्म लेती हैं, वे बलपूर्वक बाहर आने की कोशिश करती हैं और जब मैं उन्हें कोई आकार देता हूं तो मुझे राहत महसूस होती है। वह पुनरुत्थानवादी सांचे या किसी अन्य कला आंदोलन तक ही सीमित नहीं थे। उन्होंने सभी वादों को मिश्रित किया और इसे अभिव्यक्ति की एक शक्तिशाली भाषा दी। रामकिंकर बैज न केवल अपनी परंपरा के प्रति सच्चे रहे, बल्कि स्वयं के प्रति भी सच्चे रहे।

अपने पसंदीदा संथालों से प्रेरित होकर वह सादा जीवन में विश्वास करते थे। उन्होंने कभी भी प्रसिद्धि या पैसे की परवाह नहीं की, उनकी एकमात्र इच्छा अपने विचारों को सफलतापूर्वक मूर्त रूप देने में सक्षम होना थी। शांतिनिकेतन आकर मैंने बहुत सी चीजें देखी हैं। मैंने जीवन को देखना सीखा है। जिंदगी सिर्फ दो वक्त की रोटी कमाने के लिए नहीं है, बल्कि उससे भी ज्यादा है। मेरा केवल एक ही उद्देश्य था, सभी विकर्षणों को दूर करना और खुद को कलाकृति में डुबो देना। जब मैं पेंटिंग या मूर्तियां बनाता था तो मेरे मन में बार-बार यह ख्याल आता था कि मुझे स्वतंत्र होना है।

प्रेरक प्रसंग

एक रोटी

तीन व्यक्ति एक सिद्ध गुरु से दीक्षा प्राप्त कर वापस लौट रहे थे । गुरु जी ने उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ – साथ व्यवहारिक होने की भी सीख दी थी । तीनो तमाम ग्रंथो , पुराणों पर चर्चा करते आगे बढ़ते जा रहे थे । बहुत समय चलने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें कहीं विश्राम करना चाहिए और रात गुजार कर ही आगे बढ़ना चाहिए। वे एक जगह रुके और खाने की पोटली खोली पर दुर्भाग्यवश उसमे एक ही रोटी बची थी । तीनो ने सोचा कि इसे बाँट कर खाने से किसी की भूख नहीं मिटेगी अच्छा होगा कि कोई एक ही इसे खा ले । पर वो एक व्यक्ति कौन हो ये कैसे पता चले ? चूँकि वे आध्यात्मिक अनुभव कर लौट रहे थे इसलिए तीनो ने तय किया कि इसका निर्णय वे भगवान पर छोड़ देंगे भगवान ही कुछ ऐसा इशारा करेंगे कि समझ में आ जायेगा कि रोटी किसे कहानी चाहिए । और ऐसा सोच कर वे तीनो लेट गए , थके होने के कारण जल्द ही सबकी आँख लग गयी । जब अगली सुबह वे उठे तो पहले व्यक्ति ने कहा , "कल रात मेरे सपने में एक देवदूत आये , वे मुझे स्वर्ग की सैर पर ले गए सचमुच इससे पहले मैंने कभी ऐसे दृश्य नहीं देखे थे असीम शांति , असीम सौंदर्य मैंने हर जगह देखी और जब मैं भ्रमण के अंतिम चरण में था तो सफ़ेद वस्त्र पहने एक महात्मा ने मुझसे कहा " पुत्र ये रोटी लो इसे प्रसाद समझो और अपनी भूख मिटाओ " पहले व्यक्ति ने अपनी बात खत्म ही की थी कि दूसरा वयक्ति बोला , कितनी अजीब बात है , मैंने भी बिलकुल ऐसा ही सपना देखा , और अंत में एक महात्मा ने मुझे स्पष्ट निर्देश दिए कि मैंने जीवन भर लोगों का भला किया है इसलिए रोटी पर मेरा ही हक़ बनता है । उन दोनों की बातें सुन तीसरा व्यक्ति चुप-चाप बैठा था । "तुमने क्या सपना देखा ?" , पहले व्यक्ति ने पुछा, मेरे सपने में कुछ भी नहीं था , मैं कहीं नहीं गया , और न ही मुझे कोई महात्मा दिखे । लेकिन रात में जब एक बार मेरी नींद टूटी तो मैंने उठकर रोटी खा ली । " अरे तुमने ये क्या किया । ऐसा करने से पहले तुमने हमें बताया क्यों नहीं " बाकी दोनों ने गुस्से से पुछा । " कैसे बताता , तुम दोनों अपने -अपने सपनो में इतने दूर जो चले गए थे ।", तीसरे व्यक्ति ने कहा । और कल ही तो गुरु जी ने हमें बताया था कि आध्यात्मिक ज्ञान के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान का महत्त्व समझना चाहिए । मेरे मामले में भगवान ने जल्द ही मुझे संकेत दे दिया की भूखों मरने से अच्छा है कि रोटी खा ली जाए और मैंने वही किया ।

शख्सियत

पिंगली वेंकैया

राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' के जनक

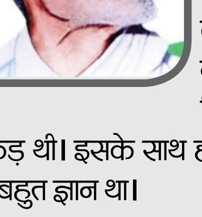

पिंगली वेंकैया भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' के डिजाइनर थे। वह भारत के सच्चे देशभक्त, महान स्वतंत्रता सेनानी और कृषि वैज्ञानिक भी थे। पिंगली वेंकैया की संस्कृत, उर्दू और हिंदी जैसी भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। इसके साथ ही उन्हें भूविज्ञान और कृषि का भी बहुत ज्ञान था।

पिंगली वेंकैया का जन्म 2 अगस्त, 1876 को मछलीपट्टनम के पास हुआ था। पिंगली वेंकैया ब्रिटिश भारतीय सेना के सिपाही के रूप में युद्ध लड़ने के लिए दक्षिण अफ्रीका गए थे। यह दक्षिण अफ्रीका में था कि वह ब्रिटिश सैनिकों के बीच यूनियन जैक द्वारा प्रेरित राष्ट्रीयता की भावना से प्रभावित हुए थे।

मार्च 1921 में, महात्मा गांधी ने पहली बार विजयवाड़ा (तब बेजवाड़ा) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक बैठक में राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का प्रस्ताव रखा। वेंकैया ने विक्टोरिया संग्रहालय में गांधीजी से मुलाकात की और उन्हें खादी की पोशाक पर स्वराज ध्वज का एक प्रारंभिक डिजाइन प्रस्तुत किया। इसमें क्रमशः हिंदू और मुसलमानों - उस समय देश के दो प्रमुख धार्मिक समुदायों - के प्रतीक के रूप में दो लाल और हरे रंग की पट्टियां शामिल थीं और चरखा स्वराज का प्रतिनिधित्व करता था। उनके डिजाइन ने भारत और उसके लोगों को एक पहचान दी थी। गांधी जी की सलाह पर पिंगली ने लाल और हरे रंग के ऊपर एक सफेद पट्टी जोड़ दी। श्वेत शांति और भारत में रहने वाले बाकी समुदायों का प्रतिनिधित्व करते थे।

जब महात्मा गांधी का स्वदेशी आंदोलन उन्होंने अमेरिका से कम्बोडियन नामक बिनौला आयात किया और इस बीज को भारत के बिनौला के साथ अंकुरित करके भारतीय संकर बिनौला तैयार किया। उनके शोध कार्य के लिए उन्हें बाद में 'वेंकय्या कपास' के नाम से जाना जाने लगा।

पिंगली वेंकैया की 4 जुलाई 1963 में गरीबी और गुमनामी में मृत्यु हो गई। 2009 में उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया गया था। 2014 में ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) के विजयवाड़ा स्टेशन का नाम भी उनके नाम पर रखा गया था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सही समय पर सही बात बोलना सीखें

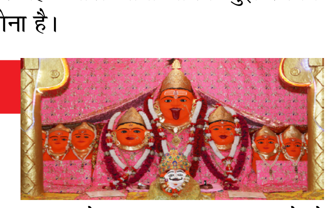

अपनी अनेक शक्तियों का विकास करने के लिए मौन रहना बहुत आवश्यक है। ₹मौन रहना कठिन कार्य है, इसीलिए लोग मौन नहीं रह पाते। सुबह से लेकर रात्रि तक कुछ न कुछ बोलते ही रहते हैं। परंतु यह एक साधना है। ऐसी साधना करने वाले को उसका फल भी अवश्य मिलता है।₹

यदि मौन के समय में ईश्वर का चिंतन किया जाए, या कुछ और आध्यात्मिक विषयों पर चिंतन किया जाए, संसार की बातें न सोची जाएं, तो इससे बहुत से लाभ होते हैं।₹ जैसे कि ₹मौन रहने से मन शांत रहता है, तनाव कम हो जाता है, क्रोध भी घटता जाता है, अभिमान का नाश होता है, आदि आदि लाभ होते हैं।

इसलिए प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में कम से कम एक घंटा मौन अवश्य रखें। दो-तीन घंटे रखें, तो और भी अधिक अच्छा है।

मान लीजिए आप सुबह 5:00 बजे उठ गए। तो 5:00 से 6:00 बजे तक मौन रहें। किसी से कोई बात न करें। ₹आपको टूथपेस्ट ब्रश तौलिया इत्यादि जो भी सामान चाहिए, उसे पहले से रात को ही अपने पास रखें, सुबह किसी से मांगना नहीं पड़े। किसी से बात नहीं करनी पड़े।₹ ₹इस प्रकार से मौन वाले उस एक या दो घंटे में अपना नहाना धोना दिनचर्या आदि भी करते रहिए। और मौन रहकर आध्यात्मिक चिंतन भी करते रहिए। इससे आपको ऊपर बताए बहुत से लाभ होंगे।₹ यह तो हुई मौन की बात।

दूसरी बात बोलने की है। व्यक्ति सुबह से लेकर रात्रि तक बोलता ही रहता है। ₹बिना विचार किए, बिना प्रमाण से परीक्षा किए कुछ भी बोलता रहता है। यह आदत अच्छी नहीं है।₹ ₹इससे बहुत सी हानियां होती हैं। बहुत सा झूठ बोला जाता है, बहुत सा छल कपट हो जाता है, अनेक बार निंदा चुगली हो जाती है। फिर उससे लड़ाई झगड़े बढ़ जाते हैं। क्रोध भी बढ़ता जाता है। पता नहीं क्या-क्या दोष आ जाते हैं।₹ ₹इसलिए जो भी बोलें, बहुत सोच समझकर ही बोलें। प्रत्यक्ष आदि प्रमाणों से परीक्षा करके ही बोलें। कम से कम बोलें। नापतोल कर बोलें। बस इतना ही बोलें, जितने कि आपका अभिप्राय दूसरा व्यक्ति ठीक-ठीक समझ जाए। अधिक बोलने से भी ऊपर बताए बहुत सारे दोष आएंगे।₹

सही समय पर सही बात कहना, यह बहुत बड़ी कला है। इसे भी अवश्य ही सीखना चाहिए। ₹अन्यथा आप जीवन भर झूठ छल कपट निंदा चुगली लड़ाई झगड़ा आदि दोषों से नहीं बच पाएंगे, और जीवन में सदा अशांत रहेंगे।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

नंगी औरत

चित्र साभार
अनु प्रिया

एक औरत जब नंगी होती है।

एक औरत जब नंगी होती है
सिर्फ़ औरत नहीं
समाज नहीं, संपूर्ण देश नंगा होता है

सत्ता के शीर्ष पर बैठा वह व्यक्ति नंगा होता है
संसद में बैठी वे सभी औरतें नंगी होती हैं
जो खून उबलने के बात पर भी बर्फ की सिल्ली पर लाश की तरह बनी रहती हैं

जिस बात पर शुरू हो जाना चाहिए था विश्वयुद्ध
उस बात पर तुम चुप्पी साधे रहे
वोट की राजनीति से बाहर दुनिया को सजग आंखों से देखने की वो आंखें कब विकसित करोगे

औरतों की देह पर हो रही राजनीति पतन का कारण बनती है
जिस देश ने औरतों को देवी कहा- उसी देवी को गाहे-बगाहे मसलते हुए तुम्हारी हथेली कभी नहीं छिली

औरतों को बस एक ही नज़र से देखने वाली वे आंखें नंगी होती है
बेशर्म वह भीड़
उनके आगे पीछे चलने वाले लोग नंगे होते हैं

तमाम गालियों में तुमने औरतों को ही मसला है
मां, बहन, बेटी के नाम पर गाली देते हुए तुम्हारे होठों से रक्त कभी नहीं बहा

जिस औरत के गर्भ से जने हो तुम
दुनिया को जिस रास्ते से निकलकर देखते हो तुम
उसे सरेआम करते तुम्हारे हाथ में लकवा मार जाना था

जिस वक्त तुम उतार रहे थे उसके शरीर से कपड़ा
तुमने अपनी मां, बहन, बीवी, बेटी को नंगा किया
अब तुम अपनी मां, बहन, बीवी, बेटी के लिए कभी मर्द नहीं बन पाओगे

तुमने देश की आत्मा को कलंकित किया है
देश तुम्हारे किए को कभी माफ़ नहीं कर सकता

बलात्कार करता पुरुष वास्तव में नामर्द होता है
नामर्दगी को छिपाने के लिए वह लिंग की
पेशे-आजमाइश करता है

देश का एक कोना जल रहा है
देश की आधी आबादी सिसक रही है
संसद सन्नाटे से भरी हुई है
यही देश का लोकतंत्र है।

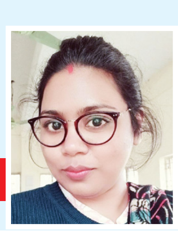

ज्योति रीता

कहानी

हार की जीत

मां को अपने बेटे और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर जो आनंद आता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आता था। भगवद्-भजन से जो समय बचता, वह घोड़े को अर्पण हो जाता। वह घोड़ा बड़ा सुंदर था, बड़ा बलवान। उसके जोड़ का घोड़ा सारे इलाके में न था। बाबा भारती उसे 'सुल्तान' कह कर पुकारते, अपने हाथ से खरहरा करते, खुद दाना खिलाते और देख-देखकर प्रसन्न होते थे। उन्होंने रूपया, माल, असबाब, ज़मीन आदि अपना सब-कुछ छोड़ दिया था, यहाँ तक कि उन्हें नगर के जीवन से भी घृणा थी। अब गाँव से बाहर एक छोटे-से मन्दिर में रहते और भगवान का भजन करते थे। 'मैं सुलतान के बिना नहीं रह सकूँगा', उन्हें ऐसी भ्रान्ति सी हो गई थी। वे उसकी चाल पर लट्टू थे। कहते, 'ऐसे चलता है जैसे मोर घटा को देखकर नाच रहा हो।' जब तक संध्या समय सुलतान पर चढ़कर आठ-दस मील का चक्कर न लगा लेते, उन्हें चैन न आता।

खड़गसिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे। होते-होते सुल्तान की कीर्ति उसके कानों तक भी पहुँची। उसका हृदय उसे देखने के लिए अधीर हो उठा। वह एक दिन दोपहर के समय बाबा भारती के पास पहुँचा और नमस्कार करके बैठ गया। बाबा भारती ने पूछा, 'खडगसिंह, क्या हाल है?'

खडगसिंह ने सिर झुकाकर उत्तर दिया, 'आपकी दया है।'

'कहो, इधर कैसे आ गए?'

'सुलतान की चाह खींच लाई।'

'विचित्र जानवर है। देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे।'

'मैंने भी बड़ी प्रशंसा सुनी है।'

'उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी!'

'कहते हैं देखने में भी बहुत सुँदर है।'

'क्या कहना! जो उसे एक बार देख लेता है, उसके हृदय पर उसकी छवि अंकित हो जाती है।'

'बहुत दिनों से अभिलाषा थी, आज उपस्थित हो सका हूँ।'

बाबा भारती और खड़गसिंह अस्तबल में पहुँचे। बाबा ने घोड़ा दिखाया घमंड से, खड़गसिंह ने देखा आश्चर्य से। उसने सैंकड़ो घोड़े देखे थे, परन्तु ऐसा बाँका घोड़ा उसकी आँखों से कभी न गुजरा था। सोचने लगा, भाग्य की बात है। ऐसा घोड़ा खड़गसिंह के पास होना चाहिए था। इस साधु को ऐसी चीज़ों से क्या लाभ? कुछ देर तक आश्चर्य से चुपचाप खड़ा रहा। इसके पश्चात् उसके हृदय में हलचल होने लगी। बालकों की-सी अधीरता से बोला, 'परंतु बाबाजी, इसकी चाल न देखी तो क्या?'

दूसरे के मुख से सुनने के लिए उनका हृदय अधीर हो गया। घोड़े को खोलकर बाहर गए। घोड़ा वायु-वेग से उडने लगा। उसकी चाल को देखकर खड़गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया। वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाए उस पर वह अपना अधिकार समझता था। उसके पास बाहुबल था और आदमी भी। जाते-जाते उसने कहा, 'बाबाजी, मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा।'

बाबा भारती डर गए। अब उन्हें रात को नींद न आती। सारी रात अस्तबल की रखवाली में कटने लगी। प्रति क्षण खड़गसिंह का भय लगा रहता, परंतु कई मास बीत गए और वह न आया। यहाँ तक कि बाबा भारती कुछ असावधान हो गए और इस भय को स्वप्न के भय की नाईं मिथ्या समझने लगे। संध्या का समय था। बाबा भारती सुल्तान की पीठ पर सवार होकर घूमने जा रहे थे। इस समय उनकी आँखों में चमक थी, मुख पर प्रसन्नता। कभी घोड़े के शरीर को देखते, कभी उसके रंग को और मन में फूले न समाते थे। सहसा एक ओर से आवाज़ आई, 'ओ बाबा, इस कंगले की सुनते जाना।'

आवाज़ में करूणा थी। बाबा ने घोड़े को रोक लिया। देखा, एक अपाहिज वृक्ष की छाया में पड़ा कराह रहा है। बोले, 'क्यों तुम्हें क्या कष्ट है?'

अपाहिज ने हाथ जोड़कर कहा, 'बाबा, मैं दुखियारा हूँ। मुझ पर दया करो। रामावाला यहाँ से तीन मील है, मुझे वहाँ जाना है। घोड़े पर चढ़ा लो, परमात्मा भला करेगा।'

'वहाँ तुम्हारा कौन है?'

'दुर्गादत्त वैद्य का नाम आपने सुना होगा। मैं उनका सौतेला भाई हूँ।'

सुदर्शन

बाबा भारती ने घोड़े से उतरकर अपाहिज को घोड़े पर सवार किया और स्वयं उसकी लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलने लगे। सहसा उन्हें एक झटका-सा लगा और लगाम हाथ से छूट गई। उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा, जब उन्होंने देखा कि अपाहिज घोड़े की पीठ पर तनकर बैठा है और घोड़े को दौड़ाए लिए जा रहा है। उनके मुख से भय, विस्मय और निराशा से मिली हुई चीख निकल गई। वह अपाहिज डाकू खड़गसिंह था।बाबा भारती कुछ देर तक चुप रहे और कुछ समय पश्चात् कुछ निश्चय करके पूरे बल से चिल्लाकर बोले, 'ज़रा ठहर जाओ।'

खड़गसिंह ने यह आवाज़ सुनकर घोड़ा रोक लिया और उसकी गरदन पर प्यार से हाथ फेरते हुए कहा, 'बाबाजी, यह घोड़ा अब न दूँगा।'

'परंतु एक बात सुनते जाओ।' खड़गसिंह ठहर गया।

बाबा भारती ने निकट जाकर उसकी ओर ऐसी आँखों से देखा जैसे बकरा कसाई की ओर देखता है और कहा, 'यह घोड़ा तुम्हारा हो चुका है। मैं तुमसे इसे वापस करने के लिए न कहूँगा। परंतु खड़गसिंह, केवल एक प्रार्थना करता हूँ। इसे अस्वीकार न करना, नहीं तो मेरा दिल टूट जाएगा।'

'बाबाजी, आज्ञा कीजिए। मैं आपका दास हूँ, केवल घोड़ा न दूँगा।'

'अब घोड़े का नाम न लो। मैं तुमसे इस विषय में कुछ न कहूँगा। मेरी प्रार्थना केवल यह है कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।'

खड़गसिंह का मुँह आश्चर्य से खुला रह गया। उसका विचार था कि उसे घोड़े को लेकर यहाँ से भागना पड़ेगा, परंतु बाबा भारती ने स्वयं उसे कहा कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना। इससे क्या प्रयोजन सिद्ध हो सकता है? खड़गसिंह ने बहुत सोचा, बहुत सिर मारा, परंतु कुछ समझ न सका। हारकर उसने अपनी आँखें बाबा भारती के मुख पर गड़ा दीं और पूछा, 'बाबाजी इसमें आपको क्या डर है?'

सुनकर बाबा भारती ने उत्तर दिया, 'लोगों को यदि इस घटना का पता चला तो वे दीन-दुखियों पर विश्वास न करेंगे।' यह कहते-कहते उन्होंने सुल्तान की ओर से इस तरह मुँह मोड़ लिया जैसे उनका उससे कभी कोई संबंध ही नहीं रहा हो।

बाबा भारती चले गए। परंतु उनके शब्द खड़गसिंह के कानों में उसी प्रकार गूँज रहे थे। सोचता था, कैसे ऊँचे विचार हैं, कैसा पवित्र भाव है! उन्हें इस घोड़े से प्रेम था, इसे देखकर उनका मुख फूल की नाईं खिल जाता था। कहते थे, 'इसके बिना मैं रह न सकूँगा।' इसकी रखवाली में वे कई रात सोए नहीं। भजन-भक्ति न कर रखवाली करते रहे। परंतु आज उनके मुख पर दुख की रेखा तक दिखाई न पड़ती थी। उन्हें केवल यह ख्याल था कि कहीं लोग दीन-दुखियों पर विश्वास करना न छोड़ दे। ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता है।

रात्रि के अंधकार में खड़गसिंह बाबा भारती के मंदिर पहुँचा। चारों ओर सन्नाटा था। आकाश में तारे टिमटिमा रहे थे। थोड़ी दूर पर गाँवों के कुत्ते भौंक रहे थे। मंदिर के अंदर कोई शब्द सुनाई न देता था। खड़गसिंह सुल्तान की बाग पकड़े हुए था। वह धीरे-धीरे अस्तबल के फाटक पर पहुँचा। फाटक खुला पड़ा था। किसी समय वहाँ बाबा भारती स्वयं लाठी लेकर पहरा देते थे, परंतु आज उन्हें किसी चोरी, किसी डाके का भय न था। खड़गसिंह ने आगे बढ़कर सुलतान को उसके स्थान पर बाँध दिया और बाहर निकलकर सावधानी से फाटक बंद कर दिया। इस समय उसकी आँखों में नेकी के आँसू थे। रात्रि का तीसरा पहर बीत चुका था।

चौथा पहर आरंभ होते ही बाबा भारती ने अपनी कुटिया से बाहर निकल ठंडे जल से स्नान किया। उसके पश्चात्, इस प्रकार जैसे कोई स्वप्न में चल रहा हो, उनके पाँव अस्तबल की ओर बढ़े। परंतु फाटक पर पहुँचकर उनको अपनी भूल प्रतीत हुई। साथ ही घोर निराशा ने पाँव को मन-मन भर का भारी बना दिया। वे वहीं रूक गए। घोड़े ने अपने स्वामी के पाँवों की चाप को पहचान लिया और ज़ोर से हिनहिनाया। अब बाबा भारती आश्चर्य और प्रसन्नता से दौड़ते हुए अंदर घुसे और अपने प्यारे घोड़े के गले से लिपटकर इस प्रकार रोने लगे मानो कोई पिता बहुत दिन से बिछड़े हुए पुत्र से मिल रहा हो। बार-बार उसकी पीठपर हाथ फेरते, बार-बार उसके मुँह पर थपकियाँ देते। फिर वे संतोष से बोले, 'अब कोई दीन-दुखियों से मुँह न मोड़ेगा।'

लघु कथा

निकम्मी औलाद

रेखा शाह आरबी

'आइए जगमोहन जी, बैठिए और बताइए क्या हाल-चाल है?' अपने पड़ोसी जगमोहन सिंह को कुर्सी देते हुए गुप्ता जी ने कहा।

'सब ठीक है। बस आजकल घुटनों में थोड़ा दर्द बढ़ गया है.. अब उम्र भी तो हो चली है। घर का राशन-पानी और साग-भाजी लाने में ही दम फूलने लगता है। खैर, यह तो उम्र के साथ होना ही है। आप अपनी बताइए, अपना हाल-चाल बताइए!' कुर्सी पर बैठते हुए जगमोहन जी बोले।

'अपना भी ठीक ही चल रहा है। खेती-किसानी अच्छी चल रही है, काम चल जाता है। आप जितना भाग्यशाली तो नहीं हूँ कि जैसे आप के दोनों बेटे उच्च पदों पर कार्यरत हैं। भगवान ने एक ही औलाद दी और वह भी निकम्मी निकली। इतना पढ़ने-लिखने के बावजूद भी कहीं जाकर कुछ करने के लिए तैयार नहीं है।' अपना दुखड़ा गाते हुए गुप्ता जी बोले।

'गुप्ता जी, शुक्र मनाइए कि आपके पास एक निकम्मी औलाद है, जो आपकी वृद्धावस्था में कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। आपके दुख-सुख में आपका साथ देने के लिए आपके पास दिन-रात है। वरना काबिल औलादें अक्सर माँ-बाप के मरने के बाद पड़ोसियों के सूचना देने पर आती हैं।' जगमोहन फीकी हँसी हँसते हुए बोले।

'बाबू जी, इतना दिन चढ़ आया है और अभी तक आपने अपनी दवाई नहीं ली!' गुप्ता जी का बेटा उनके हाथ में दवाई और पानी का गिलास पकड़ाते हुए बोला।

पता नहीं जगमोहन के कहने का असर था या ऐसे ही पर गुप्ता जी को आज अपनी औलाद निकम्मी नहीं लग रही थी।

तू भी चुप है मैं भी चुप हूं ये कैसी तन्हाई है?

तू भी चुप है मैं भी चुप हूँ ये कैसी तन्हाई है
तेरे साथ तिरी याद आई क्या तू सच-मुच आई है

शायद वो दिन पहला दिन था पलकें बोझल होने का
मुझ को देखते ही जब उस की अंगड़ाई शर्माई है

उस दिन पहली बार हुआ था मुझ को रिफ़ाक़त का एहसास
जब उस के मल्बूस की ख़ुश्बू घर पहुँचाने आई है

हुस्न से अर्ज़-ए-शौक़ न करना हुस्न को ज़क पहुँचाना है
हम ने अर्ज़-ए-शौक़ न कर के हुस्न को ज़क पहुँचाई है

जौन एलिया

हम को और तो कुछ नहीं सूझा अलबत्ता उस के दिल में
सोज़-ए-रक़ाबत पैदा कर के उस की नींद उड़ाई है

हम दोनों मिल कर भी दिलों की तन्हाई में भटकेंगे
पागल कुछ तो सोच ये तू ने कैसी शक्ल बनाई है

इशक़-ए-पेचाँ की संदल पर जाने किस दिन बेल चढ़े
क्यारी में पानी ठहरा है दीवारों पर काई है

हुस्न के जाने कितने चेहरे हुस्न के जाने कितने नाम
इश्क़ का पेशा हुस्न-परस्ती इश्क़ बड़ा हरजाई है

आज बहुत दिन बा'द मैं अपने कमरे तक आ निकला था
जूँ ही दरवाज़ा खोला है उस की ख़ुश्बू आई है

एक तो इतना हब्स है फिर मैं साँसें रोके बैठा हूँ
वीरानी ने झाड़ू दे के घर में धूल उड़ाई है

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष – कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा।

वृष – चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें।

मिथुन – राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

कर्क – भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

सिंह – रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा।

कन्या – उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

तुला – रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक – अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे।

धनु – बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक चिंताएँ दूर होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर – कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

कुंभ – दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएँगे। संतान के कार्यों में उन्नति के योग हैं।

मीन – नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

किस दंपती को कितनी संतानें प्राप्त होंगी?

पंचम भाव संतान सुख का भाव : जन्म कुंडली में पंचम भाव संतान सुख का भाव होता है। इस भाव में जितने ग्रह हों और जितने ग्रहों की दृष्टि हों उतनी संख्या में संतान प्राप्त होती है। पुरुष ग्रहों के योग और दृष्टि से पुत्र और स्त्री ग्रहों के योग और दृष्टि से कन्या की संख्या का अनुमान लगाया जाता है।

शुभ ग्रहों की दृष्टि

पंचम भाव में सूर्य पर शुभ ग्रहों की दृष्टि हो तो तीन पुत्रों का योग बनता है। पंचम में विषम राशि का चंद्र शुक्र के वर्ग में हो या चंद्र शुक्र से युत हो तो पुत्र होते हैं।

तीनों ग्रहों के स्पष्ट राश्यादि : गुरु, चंद्र और सूर्य इन तीनों ग्रहों के स्पष्ट राश्यादि जोड़ने पर जितनी राशि संख्या हो उतनी संतानें होती हैं।

पंचम भाव से या पंचमेश से शुक्र या चंद्रमा जिस राशि में हो उस राशि तक की संख्या के बीच में जितनी राशि संख्या हो उतनी संतान प्राप्त होती हैं।

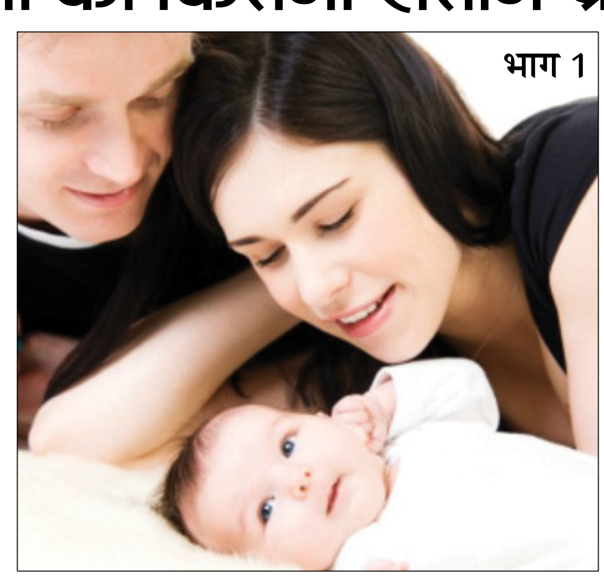

भाग 1

पंचम भाव से या पंचमेश से शुक्र या चंद्र जिस राशि में स्थित हो उस राशि तक की संख्या के बीच जितनी राशियां हों उतनी ही संतान संख्या समझनी चाहिए।

प्रियंका जैन
9769994439

उदाहरण के तौर पर यदि पंचम भाव में पहली राशि मेष हो और चंद्र मिथुन राशि में हो तो तीन संतानों का सुख मिलता है।

पंचम भाव में गुरु हो

पंचम भाव में गुरु हो, रवि स्वक्षेत्री हो, पंचमेश पंचम में ही हो तो पांच संतानें होती हैं।

कुंभ राशि का शनि पंचम भाव में हो तो पांच पुत्र होते हैं।

मकर राशि में 6 अंश 40 कला के भीतर का शनि हो तो तीन पुत्र होते हैं।

पंचम भाव में मंगल हो तो तीन पुत्र, गुरु हो तो पांच पुत्र, सूर्य-मंगल दोनों हो तो 4 पुत्र,

सूर्य-गुरु हो तो 6 संतानें होती हैं, जिनमें पुत्र-पुत्री दोनों हो सकते हैं।

शुक्र हो तो पांच कन्याएं होती : पंचम भाव में चंद्रमा गया हो तो तीन ज्ञानी पुत्रियों की प्राप्ति होती हैं। शुक्र हो तो पांच कन्याएं होती हैं और शनि गया हो तो सात कन्याएं होती हैं।

कर्क राशि का चंद्र पंचम भाव में हो तो अल्पसंतान योग होता है। पंचमेश नीच का होकर छठे, आठवें, 12वें भाव में पापग्रहों से युक्त हो तो दंपती संतान सुख से वंचित रहता है।

दो बजे दोपहर

खबर संक्षेप

सेना भर्ती रैली के छठे दिन 1035 युवाओं ने लिया हिस्सा

रांची। सेना भर्ती रैली के छठे दिन गुरुवार को 1035 युवाओं ने हिस्सा लिया । अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए झारखंड राज्य के गिरिडीह, खूंटी और साहिबगंज जिले के अभ्यर्थियों ने दमखम दिखाया। खेलगांव स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में लगभग 1035 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। जांबाज युवाओं ने अपने पूरे जोश और जुनून के साथ अग्निवीर जीडी श्रेणी में उपस्थिति दर्ज की।

समान नागरिक संहिता विधेयक लाने पर विचार कर रही राजस्थान सरकार

जयपुर। राजस्थान सरकार प्रदेश के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक लाने पर विचार कर रही है। विधि एवं विधिक संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को विधानसभा में ये जानकारी दी। विधायक कालीचरण सराफ के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में विधि एवं विधिक संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर विचार किया जा रहा है। सम्पूर्ण पहलुओं पर विचार करके सरकार द्वारा उचित समय पर विधेयक लाया जाएगा। हालांकि सरकार ने विधेयक लाने और यूसीसी लागू करने की समय सीमा के बारे में नहीं बताया है।

तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र से 7735 लीटर विदेशी शराब बरामद, 5 व्यक्ति गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र से कुल 7735 लीटर विदेशी शराब की बरामदगी हुई है। उक्त आशय की जानकारी गुरुवार को सिटी एसपी श्री राज ने दी। सिटी एसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार मादक पदार्थ, अवैध हथियार एवं शराब की बरामदगी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में भागलपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि बाईपास थाना क्षेत्र से शराब की बड़ी खेप गुजरने वाली है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया।

जालौन पुलिस की खुली पोल, दिनदहाड़े हवालात से भागे चोर

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन में एनकाउंटर करने वाली पुलिस के दावों की पोल खुल गई है। यहां पर 2 चोर पुलिस की आंखों में दिन के उजाले में धूल झोंककर हवालात से फरार हो गए। इस पूरी घटना से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सिपाहियों को एसपी ने सस्पेंड कर दिया है। मंदिर में चोरी करने वाले चोरों को पुलिस ने जिस दिलेरी से पकड़ा था, उतनी ही आसानी से वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। एसपी ने चोरों की धरपकड़ के लिए तीन टीमों को लगाया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

हाईकोर्ट हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनेगा

मथुरा/प्रयागराज। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने बुधवार को मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन के फैसले से हिंदू पक्ष को बड़ी राहत मिली है। ये मुकदमे शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाकर जमीन का कब्जा देने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग को लेकर दायर किए गए थे। पूरा विवाद मुगल सम्राट औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है। इसका निर्माण भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर बने मंदिर को कथित तौर पर ध्वस्त करने के बाद किया गया।

दावा- ईदगाह गर्भगृह की जमीन पर

हिंदू पक्ष की याचिकाओं में शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन को हिंदुओं का बताया है और वहां पूजा का अधिकार दिए जाने की मांग की है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने वक्फ एक्ट आदि का हवाला देते हुए हिंदू पक्ष की याचिकाओं को खारिज किए जाने की दलील पेश की है। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने कहा कि मालिकाना हक को लेकर हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनवाई योग्य हैं। इन पर सुनवाई जारी रहेगी। अदालत ने मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब इस विवाद से जुड़े मामलों में ट्रायल शुरू होगा।

हिन्दू पक्षकारों की दलील

ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ एरिया श्रीकृष्ण विराजमान का गर्भगृह है।
- शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के पास भूमि का कोई ऐसा रेकॉर्ड नहीं है।
- श्रीकृष्ण मंदिर तोड़कर शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण किया गया है।
- बिना स्वामित्व अधिकार के वक्फ बोर्ड ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के इस भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया है।

मुस्लिम पक्षकारों की दलील

- मुस्लिम पक्षकारों की दलील है कि इस जमीन पर दोनों पक्षों के बीच 1968 में समझौता हुआ है। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं है। लिहाजा मुकदमा चलने योग्या नहीं है।
- उपासना स्थल कानून यानी प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के तहत भी मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है।
- 15 अगस्त, 1947 के दिन जिस धार्मिक स्थल की पहचान और प्रकृति जैसी है वैसी ही बनी रहेगी। यानी उसकी प्रकृति नहीं बदली जा सकती है।

अयोध्या में 12 साल के बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म

सपा नेता मोइद खान अरेस्ट, योगी ने विधानसभा में किया वार

एजेंसी । अयोध्या

यूपी के अयोध्या में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप के आरोप में समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसकी बेकरी में काम करने वाले कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित के परिजनों को मामले की जानकारी तब हुई जब बच्ची गर्भवती हो गई। एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि सपा नेता ने पहले बच्ची के साथ बलात्कार किया और फिर इसका वीडियो बनाया। अपनी घटिया करतूत का वीडियो दिखाकर और धमकी देकर आरोपी करीब ढाई महीने तक रेप करता रहा। इस काम में कर्मचारी राजू खान ने उसकी मदद की। पुलिस ने पॉक्सो के तहत केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस मुद्दे को गुरुवार को विधानसभा में उठाकर सपा पर करारा हमला बोला।

दो माह बाद हुआ मामले का खुलासा

मामले का खुलासा दो माह बाद नाबालिग के गर्भवती होने पर हुआ। पुलिस ने बताया कि पूरा मामला थाना पूराकलंदर के भदरसा कस्बे का है। परिजनों के मुताबिक, नाबालिक के पेट में दर्द होने पर वह डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे, जिसके बाद उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। साथ ही दोनों आरोपी सपा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसके साथी राजू खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मुरादाबाद एसएसपी का एक्शन

63 दरोगाओं के तबादले

19 को पुलिस लाइन से थानों में भेजा, 20 प्रभारियों को भी बदला

मुरादाबाद। मुरादाबाद एसएसपी सतपाल अंतिल ने मंगलवार देर रात जिले में तैनात 63 दरोगाओं के तबादले कर दिए। 19 दरोगाओं को पुलिस लाइन से थानों और चौकियों में भेजा है। 20 पुलिस चौकी के प्रभारियों का भी कार्यक्षेत्र बदला दिया। पुलिस लाइन से दरोगा सीताराम को रिट सेल, राजेंद्र कुमार को छजलैट, शरद कुमार को डिलारी, सुभाष कुमार सिंह को सिविल लाइंस, शांति स्वरूप को कुंदरकी प्रभारी बनाया गया है। कल्याण सिंह को मझोला, एसएसआई महेश पाल सिंह को थाना छजलैट, सलाउद्दीन को नागफनी, दीपक कुमार को कुंदरकी, संजीव कुमार, रवींद्र सिंह भाटी को मूंढापांडे, मुकेश कुमार को मूंढापांडे, देवेंद्र उपाध्यक्ष को मैनाठेर, शेरपाल, दुलीचंद, प्रदीप कुमार को कुंदरकी, अशोक कुमार को मैनाठेर, अखिल कुमार को डिलारी की जलालपुर चौकी का प्रभारी बनाया गया है।

कस्बा बिलारी चौकी से नीतेश सहरावत को चौकी दांग, दस सराय चौकी से देवेंद्र सिंह को फकीरपुरा चौकी प्रभारी, महिला दारोगा रीता तेवतिया को चौकी इंचार्ज फैजगंज, अंकुर सिंह को चौकी फैजगंज से थाना मैनाठेर, सोमपाल सिंह चौकी इंचार्ज मकबरा को काशीपुर तिराहा चौकी, चौकी इंचार्ज काशीपुरा तिराहा ओम शुक्ला को चौकी इंचार्ज लालबाग की जिम्मेदारी दी है।

तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र से 7735 लीटर विदेशी शराब बरामद, 5 व्यक्ति गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र से कुल 7735 लीटर विदेशी शराब की बरामदगी हुई है। उक्त आशय की जानकारी गुरुवार को सिटी एसपी श्री राज ने दी। सिटी एसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार मादक पदार्थ, अवैध हथियार एवं शराब की बरामदगी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में भागलपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि बाईपास थाना क्षेत्र से शराब की बड़ी खेप गुजरने वाली है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया। गठित टीम द्वारा बाईपास थाना क्षेत्र में एक ट्रक की तलाशी ली गई जिसमें से 1153.2 ली॰ विदेशी शराब जप्त किया गया तथा तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

हाथियों का आतंक, दो ग्रामीणों के घरों को तोड़ा

लोहरदगा। लोहरदगा जिला में एक बार हाथियों का आतंक देखने को मिला है। कैरो प्रखंड क्षेत्र के सढाबे पंचायत अंतर्गत डुमरटोली गांव में हाथियों ने दो लोगों के घरों को धवस्त कर दिया और घर में रखे 16 बोरा गेंहू, चार बोरा चावल, दो बोरा सरसो को खा गया। साथ ही साथ घर में रखे सामानों को भी तहस नहस कर दिया। भुक्तभोगियों का नाम किशोर उरांव और चौठा उरांव है।

अचानक आ धमका हाथियों का झुंड

घटना के संबंध में भुक्तभोगियों ने बताया कि इस बरसात के मौसम में कभी भी हाथियों का झुंड गांव में आ जाता है और भारी उत्पात मचाता है। बुधवार की देर रात में यही हुआ। रात 11 बजे के करीब 20 से 22 के संख्या में कई गांव से गुजरते हुए हाथियों का झुंड दुमरटोली पहुंचा। इसके बाद गांव के रहने वाले किशोर उरांव और चौठा उरांव के घरों पर धावा बोल दिया। हाथियों के रौद्र रूप को देखते हुए गांव के लोग इधर उधर भागने लगे। हाथियों ने दो ग्रामीणों के घर को तोड़ दिया और घर में रखे अनाज को भी खा गये।

झारखंड विधानसभा स्पीकर ने 18 विधायकों को किया सदन से निलंबित

अमर बाउरी बोले- ये लोकतंत्र की हत्या

रांची। झारखंड विधानसभा स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने भाजपा के 18 विधायकों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने ये कार्रवाई विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के प्रस्ताव पर की। स्पीकर ने नियमावली 299 और 310 का जिक्र करते हुए कहा कि मैं इसके लिए निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हूं और ये हमारा विशेषाधिकार हैं। जिसके बाद उन्होंने विपक्ष के 18 विधायकों को सस्पेंड करने का फैसला सुनाया। स्पीकर की इस कार्रवाई के बाद अमर बाउरी ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया है।

क्या है मामला ?

दरअसल बुधवार रात से ही भाजपा के विधायक नौकरी, बेरोजगारी भत्ता पर सरकार के जवाब को लेकर विधानसभा परिसर में ही रूक गये। इसके बाद गुरुवार सुबह जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु हुई तो गिरिडीह से विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कई विधायकों का नाम लेकर स्पीकर से कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद स्पीकर ने विपक्ष के कई नेताओं का नाम लेकर उनका आचरण सदन के अनुरूप नहीं बताते हुए निलंबित कर दिया। 18 विधायकों के निलंबन होने के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि आज लोकतंत्र की हत्या दिन दहाड़े स्पीकर ने कर दी है।

व्यापार जगत

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में धीमी रही

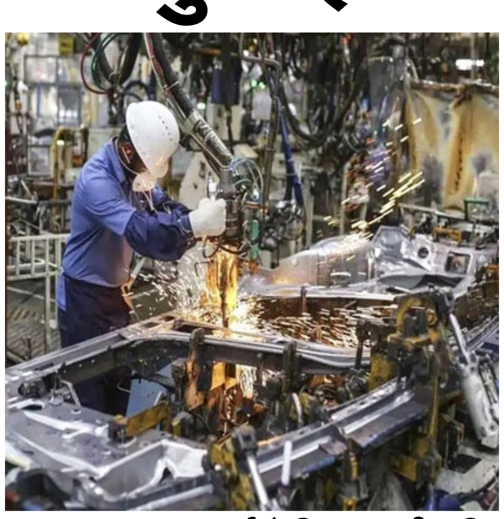

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार इसकी मुख्य वजह रही। दूसरी ओर लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्तूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है। भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार, विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्तूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया।

वाणिज्यिक सिलेंडर 6.5 रुपए हुआ महंगा

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के रुझान के अनुरूप मासिक संशोधन में गुरुवार को होटल तथा रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम वजनी वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में 6.5 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम पर यथावत है। इसके साथ ही विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में दो प्रतिशत की वृद्धि की गई। इसके साथ ही तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत 6.5 रुपये बढ़ाकर 1,652.50 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर कर दी। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत अब मुंबई में 1,605 रुपये, कोलकाता में 1,764.50 रुपये और चेन्नई में 1,817 रुपये हो गई है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,827.34 रुपये प्रति किलोलीटर या 1.9 प्रतिशत बढ़ाकर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई।

फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो का मुनाफा 127 गुना बढ़ा

2 करोड़ से बढ़कर 253 करोड़ रुपए हुआ, शेयर 4% चढ़कर बंद

एजेंसी । बेंगलुरू

फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो का अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 126.5 गुना बढ़कर 253 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2 करोड़ रुपए था। जोमैटो ने गुरुवार, 1 अगस्त को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी की पहली तिमाही में आय (रेवेन्यू) 74% बढ़कर 4,206 करोड़ हो गई। एक साल पहले की समान तिमाही में रेवेन्यू 2,416 करोड़ रुपए था।

2026 के अंत तक 2,000 स्टोर बनाने का प्लान

जोमैटो का क्विक कॉमर्स बिजनेस 'ब्लिंकट' तेजी से ग्रो कर रहा है। इसके 31 मार्च 2024 तक 526 स्टोर थे जो जून में बढ़कर 629 हो गए। यानी, जून तिमाही में 113 नए स्टोर खोले गए हैं। ब्लिंकिट के को-फाउंडर अलबिंदर ढींडसा ने कहा- कंपनी का लक्ष्य 2026 के अंत तक 2,000 स्टोर बनाने का है। इनमें से ज्यादातर स्टोर भारत के टॉप 10 शहरों में होंगे।

जोमैटो का शेयर 3.68% चढ़ा, 237.90 रुपए पर बंद

रिजल्ट आने के बाद जोमैटो का शेयर 3.68% बढ़कर 237.90 रुपए पर बंद हुआ। बीते 6 महीने में कंपनी का शेयर 69.26% बढ़ा है। वहीं बीते एक साल में कंपनी के शेयर ने 180% का रिटर्न दिया है। 1 अगस्त 2023 को जोमैटो 84.75 रुपए पर था।

सेंसेक्स ने 82,129 और निफ्टी ने 25,078 का हाई बनाया

सेंसेक्स 126 अंक बढ़कर 81,867 पर बंद ■ FMCG और एनर्जी शेयर्स तेजी रही

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार ने आज, यानी 1 अगस्त को नया ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,129 और निफ्टी ने 25,078 का स्तर छुआ। हालांकि इसके बाद शेयर बाजार थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 126 अंक की बढ़त के साथ 81,867 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी करीब 59 अंक की तेजी रही। ये 25,010 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में ही गिरावट देखने को मिली है। आज FMCG और एनर्जी शेयर्स में ज्यादा तेजी रही। एशियाई बाजार में गिरावट देखने को मिली है। जापान के निक्केई में 2.49% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.23% की गिरावट रही। चीन के शंघाई कंपोजिट में भी 0.22% की गिरावट रही।

ITR फाइलिंग की डेडलाइन खत्म, करीब 7 करोड़ ITR फाइल

नई दिल्ली। इनकम टैक्स फाइल करने की डेडलाइन खत्म हो गई है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अब तक 7 करोड़ से ज्यादा ITR फाइल किए गए हैं। आखिरी दिन यानी, 31 जुलाई 2024 को शाम 7 बजे तक 50 लाख से ज्यादा ITR दाखिल किए गए हैं। जिन लोगों ने अभी तक ITR फाइल नहीं किया है, उन्हें अब ITR भरने के लिए लेट फीस देनी होगी। इंडिविजुअल टैक्सपेयर की सालाना आय 5 लाख रुपए से ज्यादा है, तो 5,000 रुपए फीस लगेगी। अगर कमाई 5 लाख रुपए से कम है, तो 1,000 रुपए लगेंगे। टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दो ऑप्शन मिलते हैं। पहला या पुराना टैक्स रिजीम चुनने पर आपकी 2.5 लाख रुपए तक की इनकम ही टैक्स फ्री रहेगी।

महाराष्ट्र के किसान के बेटे स्वप्निल 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में पदक जीतने वाले देश के पहले निशानेबाज बने, अपने पहले ही ओलंपिक को बनाया यादगार

पेरिस ओलिंपिक में भारत को तीसरा मेडल

शूटर स्वप्निल ने जीता ब्रॉन्ज

50मी. राइफल थ्री पोजिशन में कामयाबी

एजेंसी । शेटराउ

दिग्गज भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी की ही तरह 'कूल' रहने वाले और उनसे प्रेरणा लेने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने उनकी तरह ही राइफल से अपनी तकदीर बदल दी। पिछले 12 साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे किसान के बेटे कुसाले ने अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कंबलवाड़ी गांव के 29 वर्षीय कुसाले 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में पदक जीतने वाले देश के पहले निशानेबाज बने।

स्वप्निल के पदक

- 2024 ओलंपिक : कांसा, व्यक्तिगत स्पर्धा
- 2022 एशियाड : स्वर्ण, टीम स्पर्धा
- 2023 विश्व कप : स्वर्ण, मिश्रित टीम, रजत व्यक्तिगत व टीम
- 2022 विश्व चैंपियनशिप : कांसा, टीम
- 2021 विश्व कप : स्वर्ण, टीम

शानदार वापसी

कुसाले पहली स्टैंडिंग सीरीज के बाद चौथे स्थान पर थे। नीलिंग में उनका पहला शॉट 9.6 रहा लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। इसके बाद 10.6 और 10.3 स्कोर करके वह दूसरे नंबर पर पहुंचे लेकिन अगले दो शॉट 9.1 और 10.1 रहे जिससे वह चौथे स्थान पर आ गए। फिर 10.3 स्कोर करके वह तीसरे स्थान पर पहुंचे और अंत तक बने रहे। वह नीलिंग पोजिशन के बाद छठे स्थान पर थे लेकिन प्रोन के बाद पांचवें स्थान पर आ गए। स्पर्धा का स्वर्ण चीन के लियू युकुन (463.6) ने और रजत यूक्रेन के सेरही कुलिश (461.3) ने जीता। कुसाले क्वालीफिकेशन में 590 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे।

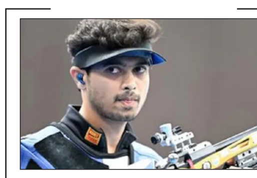

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस क्या है

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में निशानेबाज लक्ष्य पर तीन अलग-अलग पोजीशन से गोली चलाते हैं। इनमें नीलिंग यानी घुटने के बल बैठकर, प्रोन यानी पेट के बल लेटकर और स्टैंडिंग यानी खड़े खड़े शॉट लगाया जाता है।

पहली बार

यह पहला मौका है जब एक ओलंपिक में निशानेबाजी में तीन पदक जीते। इससे पहले लंदन ओलंपिक में भारत ने एक रजत (विजय कुमार) और एक कांस्य (गगन नारंग) सहित दो पदक जीते थे। कुसाले से पहले मनु भाकर दस मीटर पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ ही मिश्रित टीम में सरबजोत के साथ कांसा जीत चुकी हैं। पिछली बार भारतीय निशानेबाज लंदन ओलंपिक में 50 मीटर राइफल में फाइनल में पहुंचा था जब जॉयदीप करमाकर 50 मीटर राइफल प्रोन में चौथे स्थान पर रहे थे। अब यह स्पर्धा ओलंपिक में नहीं है।

कुछ खाया नहीं था, पेट में हो रही थी गुड़गड़

पदक जीतने के बाद कुसाले ने कहा, मैंने कुछ खाया नहीं है और पेट में गुड़गुड़ हो रही थी। मैंने ब्लैक टी पी और यहां आ गया। हर मैच से पहले रात को मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। आज दिल बहुत तेजी से धड़क रहा था। मैंने श्वास पर नियंत्रण रखा और कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की। इस स्तर पर सभी खिलाड़ी एक जैसे होते हैं। मैंने स्कोरबोर्ड देखा ही नहीं। यह मेरी बरसों की मेहनत थी और मैं बस यही सोच रहा था। मैं चाहता था कि भारतीय समर्थक मेरी हौसलाअफजाई करते रहें। उन्होंने कहा, मैं रेलवे के काम के लिए नहीं जाता हूं। भारतीय रेलवे ने मुझे 365 दिन की छुट्टी दे रखी है ताकि मैं देश के लिए अच्छा खेल सकूं। मेरी निजी कोच दीपाली देशपांडे मेरी मां जैसी हैं जिन्होंने बिना शर्त के मेरी मदद की। मैंने अभी तक अपनी मां से भी बात नहीं की है। वह 2015 से मध्य रेलवे में काम करते हैं। उनके पिता और भाई जिला स्कूल में शिक्षक हैं और मां गांव की सरपंच हैं। उन्होंने कहा, मैं निशानेबाजी में किसी खास खिलाड़ी से मार्गदर्शन नहीं लेता। लेकिन अन्य खेलों में धौनी मेरे पसंदीदा हैं। मेरे खेल में भी शांतचित्त रहने की जरूरत है और वह भी मैदान पर हमेशा शांत रहते थे। वह भी कभी टीसी थे और मैं भी हूं।

बधाइयों का तांता

'स्वप्निल को कांस्य जीतने पर बधाई। वह 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। भारत ने पहली बार एक ही ओलंपिक में निशानेबाजी में तीन पदक जीते। निशानेबाजों ने भारत को गौरवान्वित किया है। मैं आगामी स्पर्धाओं के लिए उन्हें शुभकामना देती हूं। कुसाले को भविष्य में और कामयाबी पाने के लिए शुभकामना।'

–द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

'स्वप्निल को ऐतिहासिक कांस्य जीतने पर बधाई। ओलंपिक में इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय। आपकी उपलब्धि ने हमें गौरवान्वित किया है।'

–मनसुख मांडविया, केंद्रीय खेल मंत्री

'मैं हमेशा सोचता था कि भारतीय इस स्पर्धा में अच्छा क्यों नहीं कर पाते। स्वप्निल ने वह मिथक तोड़ दिया है। उसने हम सभी के लिए यह जीता है। वह अंडरडॉग रहा है लेकिन मुझे यकीन था कि वह अच्छा करेगा। यह पदक स्वर्ण से भी बढ़कर है।'

–गगन नारंग, पूर्व पदक विजेता

'स्वप्निल का ऐतिहासिक कांस्य देखकर रोमांचित हूं। तुम्हारी मेहनत, दृढता और जुनून रंग लाया। शीर्ष स्तर पर खेलना और पदक जीतना तुम्हारी प्रतिबद्धता और प्रतिभा की बानगी है।'

–अभिनव बिंद्रा, पूर्व चैंपियन

हॉकी टीम बढ़त लेने के बाद बेल्जियम से हारी

- 11 पेनाल्टी कॉर्नर मिले बेल्जियम को, एक पर गोल किया
- 02 पेनाल्टी कॉर्नर भारत को मिले, किसी पर गोल नहीं हुआ

एजेंसी । पेरिस

हाफटाइम तक एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारत को पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी में मौजूदा चैंपियन बेल्जियम ने गुरुवार को हरा दिया। भारत को अब अगला मैच शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया से खेलना है जिसे बेल्जियम ने 6-2 से हराया था।

भारत की पहली हार

इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार है। पूल बी के मैच में भारत को बेल्जियम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले खेले तीनों मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2-0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था।

पैदल चाल में भारतीय खिलाड़ियों ने किया निराश

पेरिस। ओलंपिक की 20 किलोमीटर पैदल चाल में भारतीय खिलाड़ियों ने गुरुवार को निराश किया। पुरुष वर्ग में विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमशः 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए। अक्षदीप के रेस के बीच से हटने पर भारतीय कोच ने कहा, उसे मूत्र संक्रमण के कारण 30 जुलाई को बुखार था। हालांकि कल उसका बुखार उतर गया था। महिला वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी प्रियंका गोस्वामी 41वें स्थान पर रहीं। उन्होंने एक घंटा 39 मिनट और 55 सेकंड का समय निकाला जो सत्र के उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक घंटा 29 मिनट 48 सेकंड से काफी खराब प्रदर्शन है।

तीरंदाजी : जाधव पहले दौर में हारे, पुरुष एकल में चुनौती खत्म

पेरिस। भारतीय तीरंदाज प्रवीण जाधव गुरुवार को व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में चीन के काओ वेनचाओ से हार पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए। जाधव को राउंड ऑफ 64 में 0-6 (28-29, 29-30, 27-28) से शिकस्त का सामना करना पड़ा। जाधव ने मुकाबले के दौरान चार बार 10 अंक जुटाए लेकिन चीनी तीरंदाज तीनों सेट में भारतीय खिलाड़ी को एक अंक से पछाड़ने में सफल रहा। जाधव की हार से पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय अभियान समाप्त हो गया क्योंकि तरुणदीप राय और धीरज बोम्मदेवरा पहले ही अपने नॉकआउट मैच हार चुके हैं।

मुंबई के मैदानों से

बीएफआई और कोर्वुस अकादमी साथ आए

दोपहर संवाददाता । मुंबई

देश में बॉस्केटबॉल को बढ़ावा देने हेतु बॉस्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया और अमेरिकन कोर्वुस अकादमी ने हाथ मिलाया है। दोनों ने आपसी सहयोग के साथ कर्जत में नेशनल बॉस्केटबॉल अकादमी की शुरुआत की। इस अकादमी में पहली बार 30 लड़कों और 30 लड़कियों को बॉस्केटबॉल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए बीएफआई के अध्यक्ष आधव अर्जुन ने कहा कि यह आपसी संबंध भारत में बॉस्केटबॉल के विकास को बढ़ावा देने के लिए मील का पत्थर साबित होगा, हम अपनी युवाओं की प्रतिभाओं को फलने-फूलने और उच्चस्तरीय स्पर्धा के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बतौर आधव अर्जुन इस का तरह की बीस और अकादमी पूरे देश में अगले दो वर्षों में स्थापित की जाएंगी।

ऋषा और सागर को पहली वरीयता

दोपहर संवाददाता । मुंबई

ऋषा मीरचंदानी और सागर कस्तुरे को एमसीएफ-टीएसटीटीए2 जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में क्रमशः महिलाओं और पुरुषों के वर्ग में पहली वरीयता दी गई है। विभिन्न वर्गों के लिए कुल 350 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी। इसके अलावा विनीत दीपक को बॉयज अंडर-19 वर्ग में, युवराज यादव को बॉयज अंडर-17 वर्ग में, अनन्या चांदे को गर्ल्स अंडर-19 और वैष्णवी जायसवाल को गर्ल्स अंडर-17 में पहली रैंक प्राप्त है।

फिल्म घुड़चड़ी ने धमाकेदार अंदाज में रिलीज किया अपना पहला गाना

फिल्म घुड़चड़ी का बहुप्रतीक्षित गाना 'पंजाबी मुंडे' बहुत उत्साह के साथ लॉन्च हुआ। इस कार्यक्रम में गाने के संगीतकार और प्रसिद्ध गायक सुखबीर ने एक शानदार लाइव परफॉर्मेंस दी, जिनकी ऊर्जावान स्टेज प्रेजेंस बेहद आकर्षक थी। उनके साथ मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य भी शामिल हुए, जिन्होंने अपने बेहतरीन डांस मूव्स के साथ 'पंजाबी मुंडे' के हुक-स्टेप को तुरंत हिट बनाने का वादा किया।

लॉन्च में फिल्म की स्टार कास्ट शामिल हुई, जिसमें बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां रवीना टंडन, खूबसूरत खुशाली कुमार, आकर्षक पार्थ समथान और दिग्गज अरुणा ईरानी शामिल थीं। साथ ही निर्देशक बिनॉय के. गांधी और निर्माता निधि दत्ता भी मौजूद थीं। त्यौहारों की धुनों को जीवंत करते हुए, 'पंजाबी मुंडे' एक उत्साहपूर्ण ट्रैक है जो उत्सवों का नया गान बनने के लिए तैयार है। सुखबीर और गणेश आचार्य की कोरियोग्राफी के साथ-साथ स्टार कास्ट द्वारा लाइव प्रदर्शन ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

घुड़चढ़ी ट्विस्ट, टर्न और उलझन के क्षणों से भरा एक हंसी का दंगा होने के लिए तैयार है, जो इसे इस सीज़न के लिए एक रोमांचक पारिवारिक मनोरंजन बनाता है। फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है, और प्रशंसक बेसब्री से और अधिक फिल्म देखने का इंतजार कर रहे हैं। बिनॉय के. गांधी द्वारा निर्देशित, घुड़चढ़ी निधि दत्ता और बिनॉय के. गांधी द्वारा निर्मित है, जिसका संगीत टी-सीरीज़ ने दिया है।

कबीर बहिया के साथ ग्रीस में छुट्टियां मना रहीं कृति सैनन

मौजूदा वक्त में कृति सैनन अपनी बहन-अभिनेत्री नुपुर सैनन और कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ ग्रीस में छुट्टियां मना रही हैं। कहा जा रहा है कि कृति पिछले 2 साल से करोड़पति बिजनेसमैन कबीर को डेट कर रही हैं। उनकी ढेर सारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

अब ग्रीस से कृति और कबीर की नई तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें दोनों पहली बार साथ दिख रहे हैं।

सिगरेट पीती दिखीं कृति

डेटिंग की खबरों के बीच कबीर और कृति ने हाल ही में एक जैसे काले और सफेद रंग का प्रिंटेड श्रग पहना हुआ था। दावा किया जा रहा है कि सामने आई नई तस्वीरों में कृति सिगरेट पीती हुई नजर आ रही हैं। इस वजह से लोग उन्हें खूब ट्रोल भी कर रहे हैं।

बता दें कि कबीर पेशे से प्रसिद्ध बिजनेसमैन हैं। वह ब्रिटेन में रहते हैं। कबीर, महेंद्र सिंह धोनी की पत्नी साक्षी धोनी के रिश्तेदार हैं।

सनी देओल के साथ नजर आएंगे दिलजीत दोसांझ

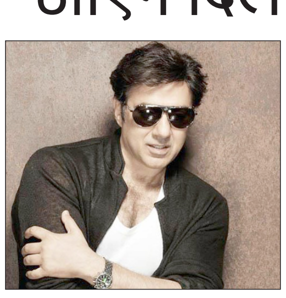

आने वाले दिनों में कई फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच आएंगे। इन्हीं में से एक है 'बॉर्डर 2', जिसे भव्य स्तर पर बनाया जा रहा है। फिल्म के हीरो सनी देओल तो हैं ही और अब इससे एक ऐसा नाम जुड़ने जा रहा है, जिसके बाद दर्शकों का इसे लेकर उत्साह और बढ़ जाएगा।

खबर है कि फिल्म से पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ भी जुड़ गए हैं। वह इसमें एक खास भूमिका निभाने वाले हैं। 'बॉर्डर 2' से दिलजीत जुड़ गए हैं। पिछली बार पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की बायोपिक में दिखे दिलजीत फिर असल शख्सियत का किरदार पर्दे पर निभाने वाले हैं। फिल्म में वह एक सैन्य अधिकारी की भूमिका में दिखेंगे। कहा जा रहा है कि एक

असल शख्सियत की भूमिका पर्दे पर साकार करने के लिए दिलजीत बेहद उत्साहित हैं और जल्द ही वह अपने इस किरदार की तैयारी में जुटने वाले हैं।

'सिटाडेल हनी बनी' का टीजर जारी

अमेरिकी ड्रामा वेब सीरीज 'सिटाडेल' के भारतीय संस्करण का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। मूल सीरीज में प्रियंका चोपड़ा नजर आई थीं। इसके भारतीय रूपांतरण 'सिटाडेल हनी बनी' के लिए वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु को मुख्य भूमिकाओं के लिए चुना गया है। अब निर्माताओं ने 'सिटाडेल हनी बनी' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें वरुण और सामंथा जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ सीरीज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

कब और कहां रिलीज होगी यह सीरीज?

'सिटाडेल हनी बनी' का प्रीमियर 7 नवंबर, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। इस सीरीज के निर्देशक की कमान राज और डीके ने संभाली है।

वरुण और सामंथा के अलावा 'सिटाडेल हनी बनी' में केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजमुंदर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में सभी कलाकारों की झलक दिख रही है। इस सीरीज की कहानी राज और डीक ने सीता आर मेनन के साथ मिलकर लिखी है।

'वेदा' में एक्शन का जबरदस्त डोज

जॉन अब्राहम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिनका नाम भले ही इंडस्ट्री के बड़े सितारों में शुमार नहीं हुआ, लेकिन वह अपने दम पर दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे। पिछली बार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'पठान' में दिखे जॉन की अगली फिल्म वेदा का उनके प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है, जिससे जुड़ीं तमाम रोचक जानकारियां सामने आ चुकी हैं। अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

एक्शन के मामले में जॉन का कोई जवाब नहीं और 'वेदा' के जरिए फिर उन्होंने यह साबित कर दिया है। जॉन के साथ-साथ ट्रेलर में अभिनेत्री शरवरी वाघ का भी एक्शन अवतार देखने लायक है, जो अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए जद्दोजहद करती दिख रही हैं। उधर मौनी रॉय और अभिषेक बनर्जी की झलक भी ट्रेलर में दिखाई गई है, वहीं जॉन के साथ तमन्ना भाटिया की जोड़ी भी फिल्म में जंच रही है।

'वेदा' 15 अगस्त को सिनेमाघरों का रुख करेगी। हालांकि, इस दिन यह अकेले सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे रही है। फिल्म 'स्त्री' का दूसरा भाग 'स्त्री 2' भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगा। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव जैसे कलाकार भूमिका में नजर आएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

रामेश्वरम में श्रीलंकाई नेवी की बोट से टकराई नाव, मछुआरे की मौत

रामेश्वरम। तमिलनाडु के रामेश्वरम में बुधवार रात मछुआरों की एक नाव श्रीलंका नेवी की बोट से टकरा कर पलट गई। हादसे में एक मछुआरे की मौत हो गई। एक अन्य लापता है जबकि दो मछुआरों को श्रीलंकाई नेवी ने गिरफ्तार कर लिया। हादसे के बाद बचकर लौटे एक अन्य मछुआरे ने बताया है कि वे परमिशन लेकर मछली पकड़ने गये थे। इस दौरान श्रीलंकाई नेवी ने उन्हें घेर लिया।

जम्मू-कश्मीर में जल्द हो सकती है वोटिंग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में जल्द ही वोटिंग हो सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो चुनाव आयोग अगले 10 दिनों में केंद्र शासित प्रदेश का दौरा कर सकता है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर 2024 से पहले जम्मू कश्मीर में चुनाव करवाने के आदेश दिए थे। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अपने गृह जिलों में और तीन साल से एक ही जगह तैनात अधिकारियों का ट्रांसफर करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव आयोग ने इसी तरह के निर्देश हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के मुख्य सचिव को भी दिए है जहां इस वर्ष के अंत में चुनाव होने हैं। इसी साल जून में चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा समेत जम्मू कश्मीर में वोटर लिस्ट अपडेट करने के आदेश जारी किए थे। इस काम को पूरा करने के लिए 20 अगस्त तक की डेडलाइन दी गई थी।

चीन ने नाविक को बचाने पर भारतीय नौसेना को सराहा

बीजिंग। चीन ने गुरुवार को मुंबई तट के पास मालवाहक जहाज से गंभीर रूप से घायल चीनी नाविक को बचाने के लिए भारतीय नौसेना की हार्दिक सराहना की। 51 वर्षीय चीनी नाविक को समय पर उपचार देकर भारतीय नौसेना ने उसकी जान बचाई। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान यहां मीडिया को संबोधित कर रहे थे। प्रवक्ता ने कहा कि यह घटना 24 जुलाई की है। घायल नाविक को मुंबई से लगभग 370 किलोमीटर दूर एक बल्क कैरियर से अशांत जल और तेज हवाओं के बीच भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर द्वारा एयरलिफ्ट किया गया। भारतीय सेना ने उसे समय पर चिकित्सा प्रदान की। वह अब स्थिर स्थिति में है और चीन में वापस आ रहा है।

डीडीए की लापरवाही ने ली मां-बेटे की जान: आप

नई दिल्ली। मयूर विहार फेस-3 के निर्माणाधीन नाले में डूबने से हुई मां-बेटे की मौत पर सियासत गरमा गई है। आप सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि दोनों की मौत सिर्फ डीडीए की लापरवाही से हुई है, जिसके मुखिया उपराज्यपाल हैं। डीडीए ने वहां कोई बोर्ड भी नहीं लगा रखा था। उस नाले में पहले ढाई साल का बच्चा गिरा। उसे बचाने मां भी उसमें कूद गई और दोनों की मौत हो गई। यह हादसा नहीं, हत्या है। हमारी मांग है कि एलजी को बर्खास्त किया जाना चाहिए। पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में संजय सिंह ने कहा कि बुधवार को दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में तेज बारिश हुई। इसके चलते कई जगहों पर जलभराव हुआ। हमारे मंत्री, विधायक और पार्षदों ने अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार मौके पर पहुंचकर अधिकारियों के साथ मिलकर जरूरी इंतजाम भी किए। इसी बीच मयूर विहार फेस-3 के पास एक नाले में मां-बेटे की डूबने से मौत हो गई।

हम काम करते हैं, रील नहीं बनाते : रेल मंत्री

दो दिन पहले प्रियंका चतुर्वेदी बोली थीं- वे रेल नहीं, रील मंत्री बनना चाहते हैं

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को नौवां दिन था। लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेनों की सेफ्टी पर बात की। इस पर विपक्ष ने ताजा हादसों पर सवाल पूछा और हंगामा किया। रेल मंत्री ने कहा- हम रील बनाने वाले नहीं, काम करने वाले लोग हैं। जो लोग यहां चिल्ला रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि सत्ता में रहने के 58 सालों में वे 1 किमी दूर भी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) क्यों नहीं लगा पाए। आज वे सवाल उठाने की हिम्मत करते हैं। जब ममता बनर्जी रेल मंत्री थीं तो वे दुर्घटनाओं की संख्या बताती थीं कि 0.24 से घटकर 0.19 हो गई, ये लोग सदन में ताली बजाते थे और आज जब यह 0.19 से घटकर 0.3 हो गई है तो वे इस तरह का आरोप लगाते हैं। क्या यह देश ऐसे ही चलेगा? वैष्णव ने आगे कहा- कांग्रेस सोशल मीडिया की अपनी ट्रोल सेना की मदद से झूठी बातें उठाती है। क्या वे उन 2 करोड़ लोगों के दिलों में डर भरने की कोशिश कर रहे हैं जो हर दिन रेलवे से यात्रा करते हैं?'

'10 सालों में रेलवे में 5 लाख से ज्यादा भर्ती'

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, अगर रेलवे में भर्ती की बात करें तो UPA के कार्यकाल में 2004 से 2014 तक रेलवे में सिर्फ 4 लाख 11 हजार कर्मचारियों की भर्ती हुई थी, जबकि 2014 से 2024 तक यानी NDA के 10 सालों में ये संख्या 5 लाख 2 हजार है। जिसकी सालों से मांग हो रही थी – रेलवे भर्ती के लिए एक वार्षिक कैलेंडर हो, हमने इसे जनवरी 2024 में घोषित कर दिया है। जो युवा रेलवे में जाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, उनके लिए अब साल में 4 बार वैकेंसी निकलती हैं – जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में। अभी भी 40,565 वैकेंसी निकाली हैं जिन्हें भरा जाना है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने उड़ाया था मजाक

असल में शिवसेना (उद्धव गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 30 जुलाई को कहा था- हम हर दूसरे दिन पढ़ रहे हैं कि ट्रेन डिरेलमेंट हो रहा है। लोगों की जान चली जाती है और उसमें कोई कार्रवाई नहीं की जाती। रेल मंत्री अपने प्रचार में व्यस्त हैं। वे यही सोचते हैं कि कैसे मैं रेल मंत्री की जगह रील मंत्री बन जाऊं। इंस्टाग्राम पर रील पोस्ट करूं और वाहवाही लूटूं। लगता है कि रेलवे का 30% बजट उनके प्रचार में ही जाता है।

'विपक्ष अपने गिरेबान में झांके'

अश्विनी वैष्णव ने कहा- यूपीए के कार्यकाल में सालाना औसत 171 एक्सीडेंट होते थे। हमारी सरकार में एक्सीडेंट की संख्या में 68% की कमी आई है। इस पर विपक्ष हंगामा करने लगा। तब वैष्णव ने कहा- विपक्ष अपने गिरेबान में झांकिए। आपने 58 सालों में ATP तक नहीं लगाया।

ट्रेन सेफ्टी पर रेल मंत्री बोले

रेलवे में सेफ्टी इश्यू पर बात करते हुए रेल मंत्री ने कहा- दुनिया के जितने बड़े रेल नेटवर्क हैं, उन्होंने ATP को लागू किया। इससे ड्राइवर को हाईस्पीड ट्रेन में सिग्नल देखने में आसानी होती है। ये टेक्नोलॉजी दुनिया में 80 के दशक में आ गई। भारत में 2014 तक नहीं था। 2006 में एंटी कोलीजन डिवाइस लाई गई, वो 2012 में फेल हो गई। मोदी ने 2014 में जिम्मेदारी ली, 2016 में कवच लाए, 2019 में इसको सेफ्टी सर्टिफिकेट मिला। कोविड के बावजूद 2020-21 में ट्रायल होते रहे। 2024 में कवच का वर्जन 4.0 अप्रूव हो गया।

रेल मंत्री ने कहा- आज विपक्ष भी वंदे भारत की डिमांड कर रहा

विपक्ष के सांसदों ने वंदे भारत ट्रेन की डिमांड की। जो संसद के बाहर हंगामा करते हैं, यहां ट्रेन की डिमांड कर रहे। 2015 में जब वर्ल्ड क्लास हाईस्पीड ट्रेन की बात आई। पीएम ने कहा- विदेश से टेक्नोलॉजी नहीं लेंगे। भारतीय इंजीनियर डिजाइन करेंगे। आज वंदे भारत ट्रेन भारत के युवाओं पर विश्वास का उदाहरण है।

अश्विनी वैष्णव बोले- 50 नई अमृत भारत ट्रेन के प्रोडक्शन का फैसला लिया गया

अश्विनी वैष्णव बोले- जनवरी में अमृत भारत ट्रेन का प्रोडक्शन कंप्लीट हुआ। दो अमृत भारत ट्रेन चल रही हैं। 22 कोच में आधे स्लीपर और आधो जनरल कैटेगरी के हैं। इसमें फैसिलीटी काफी बेहतर हैं। 50 और अमृत भारत ट्रेन के प्रोडक्शन का फैसला लिया गया है। यह ट्रेन 400 रुपए में 1000 किमी की यात्रा कराती है। इस ट्रेन में झटके नहीं लगते हैं। अच्छे टॉयलेट हैं। बर्थ की डिजाइन चेंज हुई है। ट्रेन में 13 और नए इंप्रूवमेंट किए गए हैं। जो अगली ट्रेनों में दिखेंगे।

आपदा प्रबंधन कानून में संशोधन के लिए विधेयक लोकसभा में पेश

कांग्रेस और तृणमूल ने किया विधेयक का विरोध

विधेयक की संवैधानिकता पर उठाए सवाल, सरकार और विपक्ष के बीच हुई तीखी बहस

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन कानून में संशोधन के लिए गुरुवार को आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 लोकसभा में पेश किया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश किया। सदन में विधेयक पेश किए जाने के दौरान केंद्र के अधिकार और इस विधेयक की संवैधानिकता को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे राज्य सरकार के अधिकारों में हस्तक्षेप करार दिया।

राज्य सरकारों के अधिकारों का हनन : मनीष तिवारी

विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने आरोप लगाया कि इसमें राज्य सरकार के अधिकारों का अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान की सूची-1 और सूची-2 में केंद्र और राज्य के विषय से संबंधित कोई भी प्रविष्टि आपदा प्रबंधन से जुड़ी नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को समवर्ती सूची में संशोधन करना चाहिए, ताकि आपदा प्रबंधन के मुद्दे को कवर करने के लिए उचित प्रविष्टि हो सके। विधेयक में राज्य सरकारों को नगर निकायों को आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ बनाने की अनुमति देने संबंधी एक प्रावधान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली और चंडीगढ़ को इससे अलग रखा गया है।

भ्रम की स्थिति पैदा होगी : सौगत रॉय

तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने कहा कि ज्यादा प्राधिकरण की स्थापना करने से भ्रम की स्थिति पैदा होगी। इसके कारण प्राकृतिक आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्य भी प्रभावित होंगे। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह तंज भी कसा कि यह अच्छा है कि सरकार ने इस विधेयक का कोई हिंदी नाम नहीं दिया है। सौगत रॉय ने कहा कि वह बंगाली हैं और हिंदी नहीं समझते हैं। सदस्यों की तरफ से उठाई गई आपत्तियों का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आपदा प्रबंधन समुचित तरीके से हो, इसलिए अधिक निकाय बनाने का प्रावधान है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों के परामर्श और सुझावों पर विचार करते हुए तथा उनकी चिंताओं को दूर करते हुए यह विधेयक लाया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने वायनाड त्रासदी पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा था कि आपदा प्रबंधन पर विधेयक लाया जाएगा।

वायनाड लैंडस्लाइड : रेस्क्यू खत्म, शव खोजने का काम जारी

अब तक 276 मौतें, 130 लोग अस्पताल में

एजेंसी । वायनाड

केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 276 हो गई हैं। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि 240 से ज्यादा लोग आज तीसरे दिन भी लापता हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को फिर से वायनाड में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने फिर से कुछ जगहों पर लैंडस्लाइड का खतरा जताया है।

रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा

वहीं, आर्मी के जनरल कमांडर ऑफिसर मेजर जनरल वीटी मैथ्यू ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। अब हम केवल शवों को खोजने का काम कर रहे हैं। अगर हमें घरों में कोई फंसा मिलेगा तो उसे निकालेंगे। बारिश के चलते काम में दिक्कत आ रही है। आर्मी के 5 टीमों और 3 डॉग्ज को यहां डिप्लॉय किया गया है। शाम को खतरे के चलते ऑपरेशन बंद कर देंगे।

राहुल-प्रियंका पहुंचे, पीड़ितों से मिले

इस बीच राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चूरलमाला पहुंचे हैं। लैंडस्लाइड से सबसे ज्यादा नुकसान यहीं हुआ है। यहां के बाद दोनों रिलीफ कैंप जाकर पीड़ितों से मिले। राहुल वायनाड और रायबरेली से लोकसभा चुनाव जीते थे। उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी। अब प्रियंका वायनाड से चुनाव लड़ने वाली हैं।

श्रीलंका के नौसैनिक जहाज से भारतीय मछुआरे की मौत

नई दिल्ली। कच्चातिवु द्वीप के उत्तर में करीब पांच समुद्री मील की दूरी पर गुरुवार सुबह श्रीलंका के नौसैनिक जहाज और भारतीय नौका के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में एक भारतीय मछुआरे की मौत हो गई जबकि एक अन्य लापता हो गया। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। भारत ने मछुआरे की मौत पर दुख जताया है। श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को यहां विदेश मंत्रालय में बुलाकर घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा, कच्चातिवु द्वीप से करीब पांच समुद्री मील की दूरी पर गुरुवार तड़के श्रीलंकाई नौसैनिक जहाज एवं भारतीय नौका के बीच टक्कर हो जाने की खबर है।

मणिपुर में विस्थापितों और सुरक्षाबलों के बीच टकराव

शांति की मांग के लिए प्रदर्शन करने निकले लोगों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के ईस्ट इंफाल जिले में गुरुवार को अकमपत रिलीफ कैंप के करीब सौ विस्थापित लोग अपने पुनर्वास और राज्य में शांति की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करने निकले थे। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले चलाए, जिसके बाद लोगों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई। लोगों ने अपने हाथ में बैनर और पोस्टर पकड़े हुए थे और वे मांग कर रहे थे कि उन्हें तेंगनोउपाल जिले के मोरेह में अपने घरों में लौटने दिया जाए। स्थानीय लोग भी इस रैली में शामिल हो गए और सुरक्षाबलों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने करीब एक किमी तक रैली निकली, लेकिन उसके बाद इंफाल वेस्ट जिले में सिंगजामेई में

CRPF जवानों के आने के बाद उन्हें रोक दिया गया। मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं।

बिभव को स्वाति की हालत पता थी फिर भी मारा, क्या सत्ता दिमाग पर चढ़ गई?

क्या CM हाउस में गुंडे होने चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में CM केजरीवाल के PA बिभव कुमार की जमानत पर सुनवाई की। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री का आवास निजी बंगला है। हमें इस बात की हैरानी है कि क्या इस तरह के गुंडे को सीएम आवास में काम करना चाहिए।

बिभव के वकील सिंघवी से तीखे सवाल

कोर्ट ने बिभव के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से तीखे सवाल किए। बेंच ने पूछा- बिभव को पीड़ित की फिजिकल कंडीशन पता थी, लेकिन यह आदमी उसे पीटता रहता है। उसे क्या लगता है, सत्ता उसके सिर पर चढ़ गई है। इसके बावजूद भी आप उसकी पैरवी कर रहे हैं। बेंच ने बिभव की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया है। साथ ही मामले की चार्जशीट पढ़ने के लिए समय लेते हुए सुनवाई 7 अगस्त तक के लिए टाल दी है।

चिंताजनक

लगातार महंगी होती जा रही हैं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़ी सुविधाएं

सुविधाओं के नाम पर लोगों की जेब पर बढ़ रहा शुल्कों का बोझ

एजेंसी । नई दिल्ली

बैंकिंग से लेकर सामान्य जीवन से जुड़ी अन्य जरूरी सेवाओं के नाम पर लोगों की जेब पर बोझ बढ़ रहा है। लगातार बैंक और अन्य सेवाएं प्रदाता कंपनियों द्वारा अपने शुल्कों बढ़ाया जा रहा है, जिससे लोगों की जेब से धीरे से हर वर्ष हजारों रुपया सिर्फ सेवा चार्ज के तौर पर चला जा रहा है।

इसमें कुछ ऐसे खर्च हैं, जिनके बारे में शायद लोगों को भी मालूम नहीं है। या फिर नियमों की ठीक से जानकारी न होने के कारण लोगों को जुर्माने के तौर पर वह धनराशि चुकाना पड़ रहा है। करीब एक महीने पहले टेलीकॉम कंपनियों ने अपने रिचार्ज प्लान की कीमतों में करीब 27 फीसदी तक का इजाफा किया। इस बीच ऑनलाइन पेमेंट

व रिचार्ज की सुविधा देने वाली कंपनियों ने भी प्रति रिचार्ज पर डेढ़ से ढाई रुपया अतिरिक्त वसूल रही है।

भुगतान सर्विस के तौर पर अब डिजिटिल पेमेंट की सुविधा देने वाली कंपनियां अतिरिक्त ले रही हैं। उधर, फास्टैग सेवा प्रदाता कंपनियों ने भी अब कई तरह के शुल्क लगाने का फैसला लिया है। इसमें चार श्रेणी में शुल्क भारतीय राष्ट्रीय भुगतान लिमिटेड (एनपीसीआई) ने निर्धारित किया है लेकिन इसके अतिरिक्त कंपनियों ने भी कुछ अन्य शर्तं जोड़ दिया है। जैसे अगर तीन महीने तक फास्टैग से कोई ट्रांजक्शन नहीं होता है तो उसे निष्क्रिय माना जाएगा, जिसे एक्टिव करने के लिए शुल्क देना होगा।

बैंकों द्वारा वसूला जा रहा चार्ज

- **डुप्लीकेट पासबुक** : 100 रुपए
- **चेक रिटर्न चार्ज** : 300 रुपए (एक लाख रुपए तक का चार्ज)
- **एक करोड़ तक का चेक** : 500 रुपए
- **हस्ताक्षर वेरीफिकेशन** : 100 रुपए
- **हस्ताक्षर वेरीफिकेशन (संयुक्त खाता)** : 150 रुपए
- **ब्रांच में जाकर नोमिनी का नाम बदलना** : 100 रुपए
- **बैंक द्वारा पासबुक अन्य कागज भेजना** : सामान्य डाक 50 रुपए
- **पंजीकृत डाक** : 100 रुपए
- **पांच से अधिक बार खाते से नकदी निकासी** : 150 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन
- **ब्याज प्रमाण पत्र**: पहली बार निशुल्क, उसके बाद प्रति बार 100 प्रति सर्टिफिकेट
- **ईकेवाईसी** : 10 रुपए

बैंक भी हर सेवा के नाम पर वसूल रहे रकम

निजी से लेकर सरकारी क्षेत्र के बैंक ग्राहकों को दी जा रही तमाम सुविधाओं के नाम पर शुल्क वसूल रहे हैं। साथ ही, न्यूनतम बैलेंस खाते में न होने पर लोगों के खाते से उल्टे जुर्माने के तौर पर भी बड़ी धनराशि वसूल रहे हैं। बीते पांच वर्षों में ही सरकार बैंकों ने 8500 करोड़ रुपये ग्राहकों से वसूला है। बीते दिनों वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने संसद में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। इसके अतिरिक्त भी बैंक तमाम सेवाओं के नाम पर वसूल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में मारा गया पाकिस्तानी घुसपैठिया

एजेंसी । सांबा

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में भारत-पाक बॉर्डर पर BSF के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया है। BSF के आईजी डीके बूरा ने गुरुवार (1 अगस्त) को बताया कि घुसपैठिए को बुधवार रात करीब 10 बजे खोरा पोस्ट के पास भारतीय इलाके में घुसते देखा गया। BSF जवानों की चेतावनी के बाद भी घुसपैठिया नहीं रुका, जिसके बाद फायरिंग में वह मारा गया। सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि घुसपैठिया भारत-पाक सीमा की जीरो लाइन पार कर रहा था जो बॉर्डर प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। घटना को पाकिस्तान की ओर से उकसाने की कोशिश की तरह देखा जा रहा है। घुसपैठिए की पहचान और मकसद का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के आधार पर सेना, पुलिस और BSF जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में जॉइंट सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। इसी दौरान राजौरी जिले के कालाकोट इलाके में एक आतंकी ठिकाने का पता चला है। यहां AK राइफल और अन्य हथियार बरामद हुए हैं।

भारतीय सीमा में घुस रहा था

हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी गिरफ्तार

राष्ट्रीय राइफल की रोमियो फोर्स ने मंगलवार (30 जुलाई) को पुंछ जिले में हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया। आतंकी के पास एक विदेशी पिस्तौल भी मिली है। पाकिस्तान में एक्टिव एक व्हाट्सएप नंबर का भी पता लगा है, जिसके जरिए एक हैंडलर मोहम्मद खलील को काम सौंप रहा था। आरोपी पुलिस की हिरासत में है और आगे की जांच की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में शनिवार (27 जुलाई) को माछिल सेक्टर के पास जंगल एरिया में एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया था।